वर्ष-10 अंक-273 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
पौष माघ
प्रयागराज, मंगलवार 14 जनवरी 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From Google Play
Adhunik Samachar
आधुनिक समाचार नेटर्वक
नगर संस्करण
10

संक्षिप्त समाचार

बतौर राज्यपाल बीजेपी एजेंट के तौर पर किया काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

ओडिशा। ओडिशा के पूर्व मंत्री और विधायक अरुण कुमार साहू ने रघुबर दास पर आरोप लगाया कि उन्होंने राज्यपाल रहते हुए भाजपा के एजेंट के तौर पर काम किया। उन्होंने कहा कि वे कभी भी लोकप्रिय राज्यपाल नहीं रहे। विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने रविवार को आरोप लगाया कि ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुबर दास 'विवादास्पद' व्यक्ति हैं। बीजद

ने कहा कि लोगों को यह जानना चाहिए कि उन्हें समय से पहले पद से क्यों हटाया गया।बीजद की यह प्रतिक्रिया दास के शुक्रवार को अपने गृह राज्य झारखंड में भाजपा में शामिल होने के बाद आई है। भाजपा में शामिल होने के बाद रघुबर दास ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल के तौर पर लोगों के लिए काम किया, उनकी शिकायतें सुनीं और तीन महीने में 30 जिलों का दौरा किया। उन्होंने यह भी कहा, 'मैंने इस मिथक को तोड़ दिया है कि राज्यपाल का पद 'लाट साहब' होता है।'पूर्व मंत्री और विधायक अरुण कुमार साहू ने बीजद मुख्यालय भुवनेश्वर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान साहू ने रघुबर दास पर आरोप लगाया कि उन्होंने राज्यपाल रहते हुए भाजपा के एजेंट के तौर पर काम किया। साहू ने कहा, 'दास भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे और विवादास्पद व्यक्ति थे। वे कभी भी लोकप्रिय राज्यपाल नहीं रहे। उनकी यह टिप्पणी कि राज्यपालों को 'लाट साहब' नहीं कहा जाना चाहिए, कई सवाल खड़े करती है, जैसे कि क्या अन्य राज्यपाल 'लाट साहब' हैं।' साहू ने यह भी सवाल किया कि यदि दास भाजपा द्वारा दावा किए गए लोकप्रिय राज्यपाल थे, तो उन्हें पद से बेवजह क्यों हटाया गया? भाजपा को इस संबंध में ओडिशा के लोगों को जवाब देना चाहिए। बीजद नेता ने यह भी सवाल किया कि दास के बेटे के खिलाफ पुलिस ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की, जिसने कथित तौर पर एक सरकारी कर्मचारी पर हमला किया था। साहू ने पूछा, क्या कोई सामान्य व्यक्ति ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारी पर हमला करने के बाद बेखौफ हो सकता है? उन्होंने दास के बेटे को कानून अपने हाथ में लेने के लिए दंडित करने की अपनी पार्टी की मांग दोहराई।

भाजपा के सत्ता में आते ही ओडिशा ने अपनाया आयुष्मान, अब दिल्ली-बंगाल बचे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्र और ओडिशा सरकार के बीच प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) इस योजना के लिए राज्य सरकार के साथ एमओयू साइन करेगा। देश में आयुष्मान भारत योजना के लागू होने के करीब छह साल बाद तक ओडिशा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में इसे लेकर विरोध रहा, लेकिन ओडिशा में भाजपा की सरकार आते ही राज्य ने इसे हरी झंडी दे दी है। सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्र और ओडिशा सरकार के बीच प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) इस योजना के लिए राज्य सरकार के साथ एमओयू साइन करेगा। दरअसल, फरवरी 2018 में केंद्र सरकार ने आम बजट में देश के 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को पांच लाख रुपये तक का सालाना स्वास्थ्य बीमा देने की घोषणा की, जिसके बाद सितंबर 2018 में आयुष्मान भारत योजना को लॉन्च किया गया। कुछ ही महीनों में इसको 33 राज्यों तक पहुंचने में केंद्र कामयाब रहा, लेकिन इसे पूरी तरह से राष्ट्रीय पहचान दिलाने में सफल नहीं हो पाया, क्योंकि दिल्ली, पश्चिम बंगाल और ओडिशा ने इसे ठुकरा दिया। तब से लेकर अब तक कई प्रयासों और बैठकों का सिलसिला होने के बाद भी लाभार्थी राज्य की सूची में नया नाम नहीं जुड़ पाया। अब 34वां राज्य इसमें शामिल होने जा रहा है।एनएचए

से मिली जानकारी के मुताबिक, लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाने के लिए हाल ही में ओडिशा सरकार ने अपने बजट में इसे शामिल करते हुए कुल 5,450 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की। राज्य में एक करोड़ परिवारों के 3.5 करोड़ सदस्यों को इस योजना का लाभ मिलेगा। इसका दूसरा मतलब यह भी है कि अब ओडिशा के लोग इस योजना के जरिये देश के किसी भी हिस्से में रहकर पंजीकृत अस्पताल में इलाज ले सकेंगे, क्योंकि इस योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों की संख्या 30 हजार है। इतना ही नहीं, ओडिशा में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भी लागू हो जाएगा, जिसके तहत राज्य के लोगों को भारत डिजिटल स्वास्थ्य खाता (आभा) आईडी मिलेगी। इसका इस्तेमाल देश में कहीं भी अपने मेडिकल रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त करने में कर सकेंगे। केंद्र के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि जून 2018 में योजना को लेकर राज्यों के साथ जानकारियां साझा करना शुरू हुआ। सितंबर 2018 में योजना को लॉन्च करने के बाद जनवरी 2019 से बैठकें भी शुरू हुईं। लगभग सभी राज्यों को मनाने में कामयाब रहे, जिनमें से कई शर्तों को भी पूरा किया गया, जबकि कुछ जगह अहम बदलाव भी करने पड़े, लेकिन जब भी दिल्ली, पश्चिम बंगाल या ओडिशा के साथ बातचीत होती तो यहां के अधिकारियों की हर बार एक नई शर्त सामने आती थी। कई बार ऐसा भी हुआ कि उनके तर्क साफ तौर पर सियासी समझे जा सकते थे, जिन्हें लेकर उन्हें बार-बार समझाया भी गया, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली।

भारत बन चुका है अहम वैश्विक खिलाड़ी'; जयशंकर का ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में जाना इसका संकेत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में जयशंकर के शामिल होने को लेकर रोबिंदर सचदेवा ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के विदेश मंत्री एस जयशंकर वहां भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि अमेरिका दौरे के दौरान एस जयशंकर वहां किससे-किससे मुलाकात करेंगे, ये अभी साफ नहीं

एस जयशंकर की अमेरिका यात्रा भारत-अमेरिका के रिश्ते में मजबूती का यह एक महत्वपूर्ण संकेत है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक संबंधों को दर्शाती है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 20 जनवरी को वह आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे। ट्रंप के शपथ ग्रहण के लिए दुनिया भर के नेताओं से लेकर तकनीकी दिग्गजों और कारोबारी दिग्गजों तक को निमंत्रण दिया गया है। वहीं, विदेश मंत्री हुआ है, लेकिन विदेश मंत्री के इस दौरे को भारत-अमेरिका के बीच के संबंधों में और गहराई और मजबूती के रूप में देखा जा रहा है।ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश मंत्री एय जयशंकर के शामिल होने की बात पर विदेश मामलों के विशेषज्ञ रोबिंदर सचदेवा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर की अमेरिका यात्रा भारत-अमेरिका के रिश्ते में मजबूती का यह एक महत्वपूर्ण संकेत है। विदेश मामले के जानकारी रोबिंदर सचदेवा ने कहा कि यह यात्रा भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक संबंधों को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश मंत्री का जाना यह दिखाता है कि भारत एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी बन चुका है। सचदेवा ने यह भी कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर इस अवसर का इस्तेमाल यूक्रेन-रूस संघर्ष जैसे वैश्विक मुद्दों पर अमेरिका के साथ चर्चा करने के लिए करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के लिए यह एक महत्वपूर्ण यात्रा होगी, खासकर रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर जो ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें की हैं। वे इस संघर्ष के समाधान में मदद कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शामिल होने की बात पर विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है। मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञाप्ति में बताया गया कि एस जयशंकर 20 जनवरी को ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एमएमसीएच से कोलकाता के एसएसकेएम में भर्ती कराई गई तीन गर्भवती महिलाएं, कल लापरवाही से हुई थी एक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बंगाल। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कथित चिकित्सा लापरवाही के कारण बीमार पड़ने के बाद तीन गर्भवती महिलाओं को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से जीवन रक्षक प्रणाली के साथ कोलकाता के एसएसकेएम में भर्ती कराया गया पश्चिम बंगाल में एक दिन पहले मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कथित चिकित्सा लापरवाही के कारण मचे बवाल के बाद, आज बीमार पड़ने के बाद तीन गर्भवती महिलाओं को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से जीवन रक्षक प्रणाली के साथ कोलकाता के एसएसकेएम में भर्ती कराया गया है। बता दें कि कल यहां कथित चिकित्सा लापरवाही के कारण एक गर्भवती महिला की मौत हो गई थी।पश्चिम बंगाल में कल मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रसव के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य की हालात गंभीर हो गई थी। इस घटना के बाद राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया था। इसके साथ ही प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

सीटी रवि प्रकरण की सीआईडी जांच पर आपत्ति, विधान परिषद सभापति होरत्ती बोले- पहले ही दे चुका फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बसवराज एस होरत्ती ने स्पष्ट किया कि सभापति के रूप में उनके पास संसदीय प्रक्रिया को नियंत्रित करने और सदस्यों को अनुशासन में रखने की शक्ति है।

इसलिए, वह इस मामले में कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज एस होरत्ती ने सुवर्ण विधान सौध बेलगावी की परिषद में एक घटना को लेकर भाजपा एमएलसी सीटी रवि द्वारा लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल की सीआईडी जांच पर अपनी आपत्ति जताई है। यह घटना पिछले साल 19 दिसंबर को हुई थी। उन्होंने 10 जनवरी को राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर को पत्र लिखा, जिसमें बताया कि उन्होंने इस मामले में पहले ही अपना फैसला दे दिया है, जो अंतिम है। होरत्ती ने कहा कि उन्होंने संविधान और विधान परिषद के नियमों की समीक्षा के बाद अपना निर्णय लिया।होरत्ती ने कहा, 'सभापति ने 19 दिसंबर 2024 को बेलगावी के सुवर्ण विधान सौध में हुई घटना के बारे में भारत के संविधान, कर्नाटक विधान परिषद के नियम, लोकसभा और राज्यसभा के नियम, कौल और शकटर के संसद के नियम, और सुभाष कश्यप की बालिमंतोरी प्रक्रियाओं की जांच करने के बाद पहले ही अपना फैसला ले लिया है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि सभापति के रूप में उनके पास संसदीय प्रक्रिया को नियंत्रित करने और सदस्यों को अनुशासन में रखने की शक्ति है।

ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों की भविष्यवाणी कठिन, 26 लाख वर्ष पहले आज की तुलना में ज्यादा गर्म थी जलवायु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। साइंस एडवांस में प्रकाशित शोध पत्र के अनुसार भू-वैज्ञानिकों ने पहली बार इस बात का पता लगाया है कि पूर्वी एशिया में तटीय पर्वत कैसे बने, जिसकी वजह से 10 करोड़ साल से भी

पहले महाद्वीप की जलवायु में भारी बदलाव हुए। ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों की भविष्यवाणी करना दुनिया के जलवायु शोधकर्ताओं के लिए सबसे कठिन कार्यों में से एक है। बारिश, ओले और बर्फीले तूफान, समुद्र के स्तर में वृद्धि और ग्लोबल वार्मिंग के अन्य अपेक्षित प्रभावों का कारण बनने वाली प्राकृतिक प्रक्रियाएं कई अलग-अलग कारकों पर निर्भर हैं। आने वाले दशकों में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के आकार की भविष्यवाणी करना भी मुश्किल है, क्योंकि यह राजनीतिक निर्णयों और तकनीकी प्रगति से प्रभावित हो सकता है।एक नए शोध से पता चला है कि लगभग 12 करोड़ साल पहले महाद्वीप के नीचे जोड़ने वाली टेक्टोनिक प्लेटों की गति में अचानक बदलाव आने से चीन के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी तट पर पृथ्वी की ऊपरी परत मोटी हो गई जिससे समुद्र तल से 2,500 मीटर ऊपर की पर्वत श्रृंखलाएं बन गईं।मोनाश विवि के स्कूल ऑफ अर्थ, एटमॉस्फेयर एंड एनवायरनमेंट के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में बताया कि क्रेटेशियस काल के दौरान पौधों और वन्यजीवों के विकास पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव किस तरह पड़े।

75 वर्षों में 50 फीसदी से अधिक घट गई व्हेल शार्क की आबादी, अंतरराष्ट्रीय संघ ने माना है लुप्तप्राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। व्हेल शार्क फिल्टर फीडर के रूप में महासागरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्लवक और छोटी मछलियों को खाकर ये

समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में मददगार होती हैं और समग्र जैव विविधता में अहम भूमिका निभाती हैं। दुनियाभर में व्हेल शार्क की आबादी 75 वर्षों में 50 फीसदी से अधिक घट गई है, इसलिए उन्हें प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) रेड-लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में आंका गया है। भारत में इस प्रजाति को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की अनुसूची एक के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है जो इसे उच्चतम संरक्षण का दर्जा प्रदान करता है। यह जानकारी डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया की वेबसाइट पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में शोधकर्ता पीयर्स और नॉर्मन के हवाले से दी गई है।व्हेल शार्क फिल्टर फीडर के रूप में महासागरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्लवक और छोटी मछलियों को खाकर ये समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में मददगार होती हैं और समग्र जैव विविधता में अहम भूमिका निभाती हैं। व्हेल-शार्क दिन में करीब आठ घंटे की अवधि में समुद्र का लगभग 10,000 गैलन पानी पीती हैं। करीब 60 फीट लंबी होने के कारण ऐसा लगता है कि वे जो चाहें खा सकती हैं, लेकिन असल में वे प्लवक-सूक्ष्म पौधों और जानवरों को खाती हैं। व्हेल शार्क के गले का मुंह करीब 20 विशाल पैड से ढका होता है, जिनमें सैकड़ों छोटे-छोटे छेद होते हैं। जैसे ही समुद्री पानी अंदर जाता है, ये पैड भोजन को छान लेते हैं ठीक वैसे ही जैसे एक छलनी में स्पेगेटी को पकड़ा जाता है जबकि खाना पकाने का पानी बाहर निकल जाता है। फिर पानी शार्क के गलफड़ों से बाहर निकल जाता है और भोजन उसके गले में चला जाता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि किलर व्हेल ओर्का और बेलुगा को पृथ्वी के प्रत्येक महासागर में रहने वाले अलग-अलग क्षेत्रों में शीर्ष शिकारियों के रूप में जाना जाता है। ये आमतौर पर मछली, कछुए, समुद्री स्तनधारियों जैसे सील और यहां तक कि मूस का शिकार करती हैं। अब वैज्ञानिकों को इस बात के सबूत मिले हैं कि कैलिफोर्निया की खाड़ी में किलर व्हेल समूह ने विशाल व्हेल शार्क का शिकार करने का अकल्पनीय, लेकिन आश्चर्यजनक नया कौशल विकसित कर लिया है। व्हेल शार्क पृथ्वी पर सबसे बड़ी शार्क और सबसे बड़ी मछली हैं। इनकी लंबाई 60 फीट यानी 18 मीटर तक और वजन 12 से 14 टन होता है । समुद्री जीवविज्ञानियों ने पिछले छह वर्षों में चार अलग-अलग घटनाओं को देखा है जिसमें किलर व्हेल समूह ने इन विशाल मछलियों को मारने का एक तरीका तैयार किया है, और इस प्रक्रिया में खुद के लिए पौष्टिक भोजन अर्जित किया है।

भारत में सर्जिकल संक्रमण की दर कई उच्च आय वाले देशों से अधिक, आईसीएमआर का अध्ययन में खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अध्ययन को भारत के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर मणिपाल के कस्तूरबा अस्पताल और मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि इस अध्ययन का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती होने के दौरान और छुट्टी के बाद एसएसआई से जुड़े जोखिमों का पता लगाना था। भारत में सर्जिकल संक्रमण की दरों को लेकर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के द्वारा किए गए अध्ययन में कई सारी बातें सामने आई है। इस अध्ययन में पता चला है कि भारत के तीन प्रमुख अस्पतालों में सर्जिकल साइट संक्रमण (एसएसआई) की दर कई उच्च आय वाले देशों की तुलना में ज्यादा है। यह अध्ययन 3,020 रोगियों पर किया गया था और इसमें पाया गया कि एसएसआई,

स्वास्थ्य सेवा से जुड़े सबसे सामान्य संक्रमणों में से एक है। इस अध्ययन में जो सर्जरी सबसे ज्यादा प्रभावित हुई, वह थी ओपन रिडक्शन इंटरनल फिक्सेशन (ओआरआईएफ) और क्लोज्ड रिडक्शन इंटरनल फिक्सेशन (सीआरआईएफ) सर्जरी, जिसमें एसएसआई की दर 54.2 प्रतिशत थी। बता दें कि एसएसआई से स्वास्थ्य में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं, जिससे इलाज की लागत बढ़ जाती है और अस्पताल में रहने का समय भी ज्यादा हो जाता है। भारत में पोस्ट-डिस्चार्ज एसएसआई पर डेटा की कमी है, क्योंकि देश में इसके लिए कोई निगरानी प्रणाली नहीं है।अध्ययन को भारत के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, मणिपाल के कस्तूरबा अस्पताल और मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में किया गया था। मामले में अधिकारियों ने कहा कि इस अध्ययन का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती होने के दौरान और छुट्टी के बाद एसएसआई से जुड़े जोखिमों का पता लगाना था। साथ ही अध्ययन में यह भी सामने आया कि इन तीन अस्पतालों में एसएसआई की दर उन उच्च आय वाले देशों की तुलना में अधिक है, जहां यह दर 1.2 से 5.2 प्रतिशत के बीच होती है। हालांकि, भारत में कुछ राज्यों में एसएसआई दर 5 प्रतिशत से अधिक पाई गई। अधिकारियों ने बताया कि उनका यह अध्ययन भारत में एसएसआई पर पहला बहुकेंद्रित निगरानी प्रयास था, जिसमें सर्जरी के बाद रोगियों की छह महीने तक निगरानी की गई। कुल 3,090 रोगियों में से 161 को एसएसआई हुआ, जिससे 5.2 प्रतिशत एसएसआई दर निकली। उनका कहना है कि जिन रोगियों को एसएसआई हुआ, उन्हें अस्पताल में अधिक समय तक रहना पड़ा और पोस्ट-डिस्चार्ज निगरानी ने 66 प्रतिशत मामलों का पता लगाने में मदद की।

देखते-देखते रमेश बिधूड़ी बन गए दिल्ली चुनाव का मुद्दा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दावा कर रहे हैं कि जल्द ही रमेश बिधूड़ी दिल्ली से भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे। बड़ा

सवाल है कि क्या रमेश बिधूड़ी खुद दिल्ली विधानसभा चुनाव का मुद्दा बनते जा रहे हैं? भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी दक्षिणी दिल्ली से जनाधार वाले नेता हैं, नेता 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट पाने से रह गए थे। विधान सभा चुनाव में टिकट की घोषणा हो चुकी है, लेकिन आगे क्या होगा कहा नहीं जा सकता। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तो दावा कर रहे हैं कि जल्द ही बिधूड़ी दिल्ली से भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे। बड़ा सवाल है कि क्या बिधूड़ी खुद दिल्ली विधानसभा चुनाव का मुद्दा बनते जा रहे हैं?यह मुद्दा इतना गंभीर हो चला है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को आगे आना पड़ा। अमित शाह ने आज प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए बाकायदा मंच से पूछा कि क्या अरविंद केजरीवाल भाजपा के मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर सकते हैं? राजनीति की बारीकियां समझने वाले अमित शाह को पता है कि बिधूड़ी को केजरीवाल मुद्दा क्यों बना रहे हैं। इसमें भाजपा का नफा और नुकसान दोनों कितना है। भाजपा के गलियारे में भी बिधूड़ी के दुश्मन कम नहीं हैं। प्रियंका गांधी के गाल जैसी सड़क बनवाने के उनके बयान के बाद कई बड़े भाजपा नेताओं ने बिधूड़ी के बयान पर प्रतिक्रिया देने से किनारा कस लिया था। भाजपा के ही एक पुराने दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष अपने सर्किल में अब भी बिधूड़ी को कोसने से नहीं चूकते। संगठन से जुड़े एक नेता ने उसी दिन अमर उजाला से प्रतिक्रिया में कहा था कि छापिएगा नहीं। वह किसी टपोरी बात पर प्रतिक्रिया नहीं देते।

महाकुम्भ-2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन हेतु व पौष पूर्णिमा/मकर संक्रान्ति स्नान पर्व में चौकसी के लिए पुलिस आयुक्त प्रयागराज श्री तरुण गाबा ने किया ब्रीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के आगामी स्नान पर्व को लेकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्त प्रयागराज ने जनपद और अर्धसैनिक बल के वरिष्ठ अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्नान पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए सतर्कता, समर्पण और पूरी निष्ठा से ड्यूटी निभाएं।बैठक में पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि स्नान पर्व के दौरान संभावित भीड़ और आपात परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस बल को हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि अब तक किए गए व्यापक प्रशिक्षण और अभ्यास ने पुलिस बल को हर प्रकार की चुनौती का सामना करने में सक्षम बना दिया है। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की संपूर्ण भौगोलिक जानकारी रखें और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखें।सुरक्षा तैयारियों के तहत सभी सेक्टर प्रभारी और पुलिस अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि वे अपने क्षेत्र के अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं की पूरी जानकारी रखें। किसी भी अप्रिय घटना के दौरान त्वरित सहायता पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों को सक्रिय स्थिति में रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही श्रीमान् पुलिस आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने स्तर पर संचार को मजबूत बनाए रखें और किसी भी घटना की सूचना तुरंत उच्चाधिकारियों तक पहुंचाएं।अपर पुलिस आयुक्त श्री एन. कोलाची ने डायल 112 की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी घटना की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को हर परिस्थिति में पूरी सतर्कता के साथ काम करना होगा और किसी भी घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होगी प्रभारी अपर पुलिस आयुक्त श्री अजयपाल शर्मा ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र की विस्तृत भौगोलिक जानकारी प्रदान करनी चाहिए, ताकि वे किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हों। पुलिस उपायुक्त यातायात श्री नीरज पाण्डेय ने यातायात प्रबंधन की योजनाओं पर चर्चा की और सभी अधिकारियों को ट्रैफिक डायवर्जन और व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य महाकुंभ 2025 के दौरान सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को सुचारू और प्रभावी बनाना है। पुलिस आयुक्त ने सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है, ताकि श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित और सुव्यवस्थित अनुभव प्रदान किया जा सके।

खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी-2025 का भव्य उद्घाटन, स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देने का आह्वान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ मेला-2025 के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय खादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन आज, 12 जनवरी 2025 को परेड ग्राउंड, त्रिवेणी रोड, प्रयागराज में मुख्य अतिथि राकेश सचान, मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, खादी और ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा और वस्त्रोद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने किया मुख्य अतिथि ने स्वदेशी अभियान को सफल बनाने के लिए खादी और ग्रामोद्योगी वस्तुओं के दैनिक उपयोग का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों को प्रोत्साहन देने से ग्रामीण कारीगरों, शिल्पियों, कत्तिनों और बुनकरों के जीवन स्तर में सुधार होगा और देश की आर्थिक प्रगति में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री के ठवोकल फॉर लोकलठ विचार को उन्होंने स्वदेशी अभियान की सफलता का आधार बताया प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण प्रदर्शनी में कुल 240 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां खादी संस्थाएं और ग्रामोद्योग इकाइयां अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के साथ झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों की संस्थाएं खादी वस्त्रों जैसे रेशम, सूती, ऊनी और पॉलिखादी सहित विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित कर रही हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में फाफामऊ के विधायक गुरुप्रसाद मौर्य और फूलपुर के विधायक दीपक पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए सभी को प्रेरित किया। खादी बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उज्ज्वल कुमार (आईएएस), ने खादी और माटीकला बोर्ड की योजनाओं पर प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज, गौरव कुमार (आईएएस), वरिष्ठ संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन.पी. मौर्य और उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी मनोज कुमार दिवाकर की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। अंत में, जिला/परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राकेश मोहन गुप्ता ने किया।

सवा करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का अनुमान, जयकारों से गूंज रहा संगम क्षेत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर शाम को चार बजे तक करीब एक करोड़ श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगा चुके हैं। मेला प्रशासन के दावों की मानें तो देर शाम तक यह आंकड़ा सवा करोड़ के पार हो सकता है महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर शाम को चार बजे तक करीब एक करोड़ श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगा चुके हैं। मेला प्रशासन के दावों की मानें तो देर शाम तक यह आंकड़ा सवा करोड़ के पार हो सकता है। संगम तट छात्र, युवा के साथ ही बड़े उम्र के श्रद्धालुओं सहित महिलाएं स्नान के लिए पहुंच रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए है। राम घाट और काली मार्ग से ही मुख्य रूप से आवाजाही हो रही है। दारागंज की ओर से आने वाले सभी लिंक मार्गों पर आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेटे हनुमान मंदिर के दर्शन के लिए एक किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। 5000 से ज्यादा लोग कतार में खड़े हुए हैं। मंदिर में अंदर से प्रवेश नहीं कराया जा रहा है। श्रद्धालुओं को कॉरिडोर के अंदर तो प्रवेश दिया जा रहा है लेकिन अंदर प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। संगम में स्नान करने के बाद भक्त श्री बड़े हनुमान जी का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालु पीपा पुल से गंगा पार होकर अखाड़ा क्षेत्र में नागाओं और संन्यासियों का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

महाकुंभ की आभा देख विदेशी श्रद्धालु भी हुए मोहित, संगम में लगाई डुबकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। जोनाथन जो भारत पहली बार आए हैं वह बताते हैं कि उनका भारत आने का अहसास बहुत ही खुशनुमा है। उन्हें ऐसा लगता है कि यहां के लोग तो अच्छे हैं ही यहां का खाना भी लाजवाब है। यहां के सभी धर्मस्थल, पवित्र जगहों, मंदिरों को देखना बहुत ही सुखद अहसास है। विश्व के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ का शुभारंभ 13 जनवरी सोमवार को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ हो गया है। इस आयोजन में भारत ही नहीं बल्कि विश्व से भी लोग जुड़ रहे हैं। रूस से महाकुंभ में आए विदेशी श्रद्धालु ने बताया कि वह अपने जीवन मे पहली बार कुंभ मेले में आए हैं। जिससे वह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में आकर आप असली भारत को देखते हैं और यह महसूस करते हैं कि भारत की असली ताकत यहां के लोग हैं, वह इस पवित्र जगह आकर खुशी से झूम रहे हैं। भारत से उन्हें प्यार है और उन्होंने भारत माता की जय के नारे भी लगाए। दूसरे विदेशी श्रद्धालु जिनका नाम जेरेमी है, उन्होंने कहा कि महाकुंभ में आकर गंगा और यमुना को देखना बहुत ही सुखद है। वह सात सालों से सनातन धर्म का पालन कर रहे हैं। सनातन धर्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस धर्म में लोगों का विश्वास है और यह अंधविश्वास नहीं है यही बात इस धर्म को खूबसूरत बनाती है।जोनाथन जो भारत पहली बार आए हैं वह बताते हैं कि उनका भारत आने का अहसास बहुत ही खुशनुमा है। उन्हें ऐसा लगता है कि यहां के लोग तो अच्छे है ही यहां का खाना भी लाजवाब है। यहां के सभी धर्मस्थल, पवित्र जगहों, मंदिरों को देखना बहुत ही सुखद अहसास है। वह यहां के शाही स्नान का सुख लेना चाहते हैं। जिसके लिए वह काफी उत्साहित हैं श्रद्धालु पूरे विश्व से प्रयागराज में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, स्पेन से आए श्रद्धालुओं से बात करने पर उन्होंने बताया कि वह महाकुंभ जैसे पर्व में आकर अपने आप को सौभाग्यशाली और खुशनुमा महसूस कर रहे हैं। ब्राजील से आए फ्रांसिस्को बताते हैं कि भारत विश्व का धार्मिक दिल है यहां का पानी ठंडा है, पर यहां के लोग गर्मजोशी से स्वागत करने वाले है। इस साल महाकुंभ 144 साल बाद बनने वाले महासंयोग में होने जा रहा है। इस आयोजन में लोग सुगमता से मेलास्थल पहुंच सकें, इसके लिए यातायात पुलिस ने भी इंतजाम किया है। महाकुंभ का आयोजन हर 12 साल पर होता है। इस बार इस महाआयोजन में 45 करोड़ लोगों के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। यह आयोजन 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। इसमें 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का अनुमान है। पौष पूर्णिमा स्नान के साथ महाकुंभ का आगाज हो चुका है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

भारत

काशी के इस स्थान पर बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग,एडीजी ट्रैफिक ने भेजा प्रस्ताव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। काशी नगरी में बढ़ रही भीड़ को देखते हुए एडीजी यातायात ने डीसीपी ट्रैफिक को प्रस्ताव भेजा है। मैदागिन से गोदौलिया के बीच चार पहिया मल्टीलेवल पार्किंग का प्लान बनाया गया है। इससे काशी विश्वनाथ दर्शन को आने वाले भक्तों को काफी सहूलियत मिलेगी।श्री काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद श्रद्धालुओं की बढ़ी भीड़ के कारण मैदागिन से गोदौलिया के बीच चार पहिया मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जाएगी। इस संबंध में एडीजी यातायात एवं सड़क सुरक्षा के. सत्य नारायण ने डीसीपी ट्रैफिक हृदेश कुमार को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं।एडीजी यातायात एवं सड़क सुरक्षा ने रविवार को यातायात पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। उन्होंने कैंट से बीएचयू की तरफ जाने वाली सड़क पर यातायात के दबाव के मद्देनजर रथयात्रा से कमच्छा और रथयात्रा से गुरुबाग के बॉटल नेक के चौड़ीकरण की बात कही। उन्होंने कहा कि वाहन के तीन चालान से ज्यादा लंबित हों तो डीएल जब्त कर उसे निरस्त किया जाए। उन्होंने यातायात पुलिस लाइन में ई-रिक्शा मैनेजमेंट (टीएमएस) कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ई-रिक्शा के कलर बार कोड स्टीकर लगाने की प्रक्रिया को समझा। इसके बाद एक ई-रिक्शा पर बार कोड चस्पा कर उसे स्वयं स्कैन कर परीक्षण किया पुलिस अफसरों और कर्मियों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस को जल्द ही नए उपकरण, इंटरसेप्टर वाहन और बैरियर आदि उपलब्ध कराए जाएंगे। इस दौरान एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय और सभी टीआई व टीएसआई मौजूद रहे।

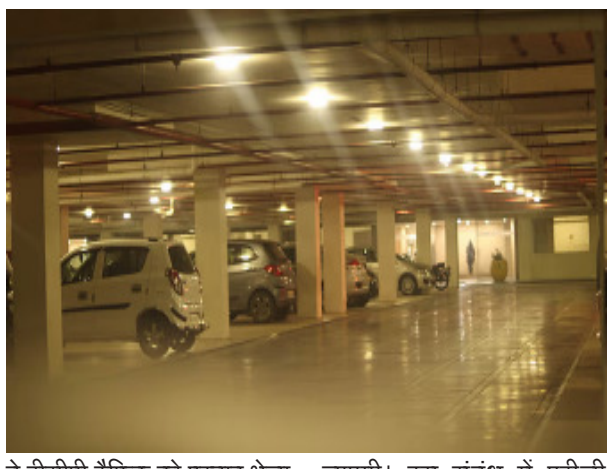

बारिश से बढ़ी गलन, दो दिन छाएगा घना कोहरा; मौसम विज्ञानी बोले- तापमान भी गिरेगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी में बीते रविवार को बारिश हो जाने से ठंड में इजाफा हो गया है। गलन बढ़ गई है। ठंडी हवाओं से सर्दियां बढ़ गई हैं। वहीं, मौसम विज्ञानियों ने तापमान गिरने की बात कही है।पश्चिमी विक्षोभ के चलते रविवार की दोपहर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 0.4 मिलीमीटर बारिश हुई। इससे गलन बढ़ गई। 10 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलीं। मौसम विभाग के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, पिछले पांच साल (2019 से 2024 के बीच) के दौरान 12 जनवरी को बारिश नहीं हुई थी। बारिश की वजह से सोमवार और मंगलवार की सुबह घना कोहरा छाएगा। अधिकतम-न्यूनतम तापमान में भी गिरावट आएगी। बारिश से पहले रविवार की सुबह हल्की धूप हुई। इसका असर तापमान पर दिखा। अधिकतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 4.1 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और बारिश होने लगी। गलन भरी हवाएं चलीं। इससे कंपकंपी महसूस की गई। सर्दी से निजात के लिए लोग आग सेंकते नजर आए। रविवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बारिश से सब्जियों की पैदावार प्रभावित होगी चिरईगांव। बारिश से गेहूं, जौ, चना को तो फायदा होगा। जबकि सब्जियों की फसल के लिए नुकसानदायक होगा। रविवार को दोपहर बाद हुई बारिश से आलू, टमाटर मटर सहित सब्जी की फसल फूल गिरने और सरसों में माहू लगने से आंशिक क्षति पहुंच सकती है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी कृषि वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार सिंह ने बताया कि अचानक मौसम में नमी होने व आसमान में बादल छाए रहने से सब्जी उत्पादक किसानों की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं।

बीएसएफ जवान का शव गांव में पहुंचते ही मचा कोहराम, ऐसे हुई थी मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। राधेश्याम सिंह बीएसएफ श्रीनगर में हेड कॉन्स्टेबल पद पर तैनात थे। उनके रिटायरमेंट का समय हो गया था, लेकिन दो वर्ष बढ़ जाने के कारण ड्यूटी में तैनात थे। उनकी मौत पर पूरे गांव में मातम जैसा माहौल दिखा। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर भी उनकी शवयात्रा में शामिल हुए।चौबेपुर के नरायनपुर गांव निवासी राधेश्याम सिंह वर्ष की श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान बीते शनिवार रात पड़ रही कड़ाके की ठंड में हृदयाघात होने से मौत हो गई। उनके पार्थिव शरीर को लेकर श्रीनगर से उपनिरीक्षक महावीर सिंह ने पार्थिव शरीर को हवाई जहाज से लेकर बाबतपुर लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पर पहुंचे । लखनऊ के सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ वह शव को वाहन से लेकर सोमवार की दोपहर गांव पहुंचे। शव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया। बीएसएफ के जवान के शव आने की सूचना मिलने पर उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर भी मातहतों संग मृतक जवान के घर पहुंच कर सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ सशस्त्र सलामी देकर नम आंखों से अंतिम विदाई दी। परिजनों को ढांढस बंधाया। राधेश्याम के दो लड़के हेमंत सिंह व गौरव सिंह व एक बेटी प्रियंका सिंह हैं।

काशी में गंगा आरती के लिए हर साल लेना होगा परमिशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। काशी की विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती के लिए अब नगर निगम ने नियम बना दिया है। नई संस्थाओं को हर साल अनुमति लेनी होगी।

कारण बताया जा रहा है कि समितियां आरती के बाद घाट पर सफाई नहीं करवाती हैं।गंगा घाटों पर आरती कराने वाली संस्थाओं पर जल्द ही शिकंजा कसा जाएगा। इसका खाका नगर निगम प्रशासन ने तैयार कर लिया है। सख्त नियमावली (नगर निगम की घाट उपविधि) बनाई गई है। इसके मुताबिक, 12 साल से आरती कराने वाली संस्थाएं ही वैध मानी जाएंगी। आरती की सूचना नगर निगम के साथ ही जिला प्रशासन को देनी होगी। नियमावली लागू होने के तीन महीने के अंदर आवेदन करके आरती कराने की अनुमति लेनी पड़ेगी। किसी भी संस्था को आरती कराने की अनुमति एक साल के लिए दी जाएगी, फिर नए सिरे से औपचारिकता पूरी कराई जाएगी। काशी में गंगा किनारे छोटे-बड़े 88 घाट हैं। इनमें से 84 घाट प्रमुख हैं। दशाश्वमेध, अस्सी, शीतलाघाट, पंचगंगा, ललिताघाट, केदारघाट, मान मंदिर, तुलसीघाट सहित कई घाटों पर अलग-अलग संस्थाएं आरती कराती हैं। इनमें रोजाना औसतन एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होते हैं। इसके बावजूद सफाई की जिम्मेदारी आरती समितियां नहीं उठाती हैं। घाटों पर गंदगी रहती है। घाटों पर कब्जे जैसी स्थिति है। सरकारी आयोजन ठीक से नहीं हो पाते हैं। इसे देखते हुए ही नगर निगम प्रशासन ने गंगा घाटों के लिए अलग से नियमावली बनाई है। इस पर जल्द ही आपत्तियां ली जाएंगी। आपत्तियों का निपटारा होगा, फिर इसे लागू किया जाएगा। आरती कराने वाली हर संस्था को घाटों पर कूड़ेदान रखना अनिवार्य रहेगा। निगम और जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन सख्ती से करना होगा। घाटों पर गंदगी करने और नुकसान पहुंचाने पर जुर्माने का प्रावधान किया जा रहा है। जिम्मेदारों पर 200 से 5000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। नियमावली के जरिये घाटों पर होने वाली मनमानी रोकी जाएगी। अब धार्मिक आयोजनों को छोड़ कर बाकी किसी भी प्रकार के आयोजन के लिए न केवल निगम से अनुमति लेनी होगी बल्कि शुल्क भी जमा करना होगा। यह व्यवस्था गंगा के सभी घाटों पर लागू होगी। घाट का मतलब सभी स्थिर और प्रवाहमान जल के किनारे की भूमि है, जो किसी के भू स्वामित्व में नहीं है। राज्य सरकार की संपत्ति है। जमीन पर पौधे, झाड़, जंगल, प्राकृतिक उत्पाद जहां कहीं होंगे, वे भी नगर निगम के अधीन होंगे। गंगा घाट किनारे विज्ञापन व प्रतीक चिह्न, आकाश चिह्न, अतिक्रमण, गुब्बारा, बैनर, पताका, समिति, निगम, विद्युतीय प्रतीक, गैंट्री विज्ञापन, भू विज्ञापन, प्रदीप्त प्रतीक, शामियाना, प्रक्षेपित प्रतीक, मार्ग अधिकार, छत विज्ञापन, अनुसूची, जनसुविधा स्थल पर अतिक्रमण, जल पुलिस बूथ और एनडीआरएफ बूथ पर विज्ञापन, प्रतीक संरचना, अनुज्ञा शुल्क, अस्थायी अतिक्रमण, ट्री गार्ड विज्ञापन, बसंडा प्रतीक, दीवार प्रतीक, शवदाह घाट।

काशी के अस्थायी बस अड्डे का मॉडल पूरे यूपी में होगा लागू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। महाकुंभ को लेकर हरहुआ स्थित एक कॉलेज में अस्थायी बस स्टैंड की व्यवस्था एआरटीओ वाराणसी ने की थी। परिवहन मंत्री ने इस व्यवस्था को काफी सराहा है। अब इसे यूपी के अन्य जिलों में भी लागू किया जाएगा।महाकुंभ के बीच हरहुआ स्थित कृषक इंटर कॉलेज में बने अस्थायी बस अड्डे के मॉडल को पूरे उत्तर प्रदेश में लागू कराया जाएगा। यह अस्थायी बस अड्डा उत्तर प्रदेश का इकलौता है। 13 जनवरी से 25 फरवरी यानी 50 दिन तक चलने वाले महाकुंभ को देखते हुए सभी जनपदों में इस तरह के ही अस्थायी बस अड्डे विकसित किए जाएंगे। इन अस्थायी बस अड्डों से निजी बसों का संचालन होगा। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) शिखर ओझा के इस प्रयोग को परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने काफी सराहा और बैठक के दौरान पत्र जारी कर निर्देश दिया कि इस अस्थायी मॉडल को महाकुंभ के दौरान ही सभी जनपदों में लागू कराएं। हरहुआ के काशी कृषक इंटर कॉलेज में प्राइवेट बसों के संचालन के लिए अस्थायी बस अड्डा बनाया गया है, जहां से प्रयागराज तक सुगम परिवहन व्यवस्था के लिए बसें चलेंगी। यहां पर प्राइवेट मार्गों पर संचालित बसों समेत अन्य ऑपरेटरों से 100 बसों की व्यवस्था की गई है। यहां से संचालित बसों का किराया उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों के अनुसार ही लिया जाएगा। बस अड्डे पर अस्थायी शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, लाइटिंग व श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है। बस अड्डे पर कंबल के साथ ही अलाव की भी सुविधा यात्रियों को मिलेगी। इसकी व्यवस्था सरकार व स्वैच्छिक संस्थाओं की ओर से की गई है। अस्थायी बस अड्डे पर चिकित्सकों की एक टीम भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपलब्ध है। अस्थायी बस अड्डे का आज डीएम और एडीजी जोन करेंगे शुभारंभ : हरहुआ स्थित अस्थायी बस अड्डे का शुभारंभ सोमवार की सुबह जिलाधिकारी एस. राजलिंगम और एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया करेंगे। एआरटीओ शिखर ओझा ने बताया कि इस बस अड्डे से 100 निजी बसें रोजाना चलेंगी। परिवहन अधिकारियों और ऑटो रिक्शा यूनियन पदाधिकारियों के साथ हरहुआ स्थित कार्यालय में बैठक हुई। अस्थायी बस अड्डे से संचालित ऑटो चालकों को वर्दी भी मुहैया कराई गई है। एक रंग में सभी चालक दिखेंगे। सुगम महाकुंभ, सुरक्षित परिवहन का बिल्ला भी वर्दी पर बना है। सभी चालकों को यह वर्दी पहनना जरूरी है। यूनियन अध्यक्ष भगवान सिंह ने बताया कि 25 वर्दी कैंट स्टेशन से संचालित ऑटो चालकों को भी मिली है।

चंदौली के इस स्थान पर अजगर ही अजगर लोगों में दहशत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। चंदौली के तीरगांवा पक्का पुल के नीचे आए दिन अजगर निकलते रहते हैं। इससे किसानों और स्थानीय लोगों में

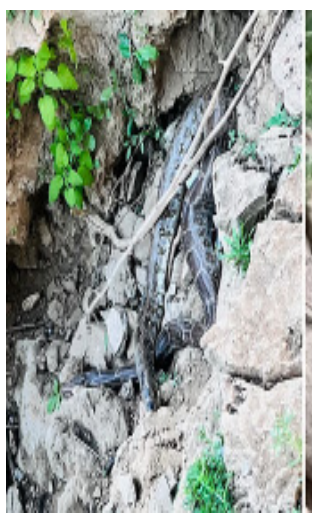

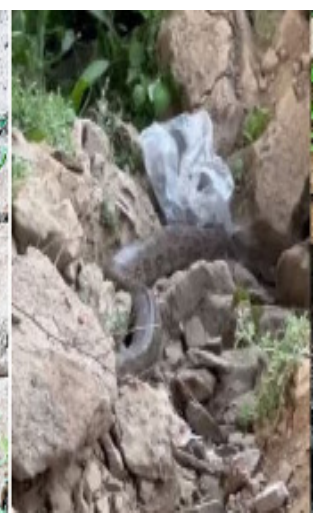

दहशत का माहौल है। कभी-कभार अजगर खेतों तक पहुंच जाते हैं। चंदौली में टांडाकला क्षेत्र के तीरगांवा पक्का पुल के नीचे लगे पत्थरों के टीले में अजगरों का बसेरा हो गया है। आए दिन यहां अजगर देखे जाने से लोगों में दहशत है। खासकर पशुपालकों में ज्यादा डर है कि उनके पशुओं को कोई क्षति न हो। लोगों ने वन विभाग को भी सूचित किया है। वन विभाग का कहना है कि अगजरों से डरने की जरूरत नहीं है। स्थानीय किसानों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पुल के नीचे लगे पत्थरों के पास अक्सर अजगर घूमते देखे जा रहे हैं। इधर-उधर घूमने के बाद अजगर पत्थर के अंदर चले जाते हैं। स्थानीय किसान रोरी यादव ने बताया कि किसानों के जानवर अक्सर घास चरने के लिए उसी क्षेत्र में जाते हैं। यहां ये अजगर अपना डेरा बनाएं बैठे हैं। इस कारण किसानों को हमेशा अपने जानवरों की सुरक्षा की चिंता स-ता रही है। इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी गई है लेकिन अभी तक अजगर को हटाया नहीं गया है।इस संबंध में वन दरोगा फिरोज गांधी ने बताया कि तराई क्षेत्र गंगा किनारे बने टीलों में एवं जंगलों में ही अजगर का बसेरा रहता है। ये किसी को हानि नहीं पहुंचाते हैं।

आधुनिक गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

सोनभद्र, मिर्जापुर

विधायक एकादश को नव रनों से जिलाधिकारी एकादश ने किया पराजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ 2024. 25, क्रिकेट मैच में रविवार को विधायक एकादश व वही उनका साथ देते हुए दीपक तिवारी (जेई)ने 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 18 बाल पे 31 रनों की पारी खेल कर अपनी टीम अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके,जिलाधिकारी एकादश की तरफ से शानदार ऑल राउंडर प्रदर्शन करते हुए पुलिस अधीक्षक

जिलाधिकारी एकादश के बीच मैच खेला गया , विधायक एकादशी के कप्तान टॉस जीतकर जिला अधिकारी एकादश की टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया, जिलाधिकारी एकादश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 15 ओवर में मात्र तीन विकेट खोकर 143 रन के का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिलाधिकारी एकादश की तरफ से शानदार बल्लेबाजी करते हुए पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीना एक छक्के व 14 चौके की मदद से 44 बाल पर 74 रनों की पारी खेली तो का स्कोर 143 रन पर पहुंचाया, विधायक एकादश की तरफ से आनंद चौबे ने 2 ओवर में 14 रन देकर 2 विकेट तो वही राम शिंह ने 2 ओवर में 22 रन देकर 1 विकेट चटकाए,जवाब में विधायक एकादश की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने निर्धारित 15 ओवर में 8 विकेट खो कर 134 रन ही बना सकी ,विधायक एकादश की तरफ से राजेश चौबे ने 3 चौके और 3 छक्के की मदद से 24 बाल पे 48 रन तो वहीं नवल वाजपेई ने,2 छक्के और 2 चौके की मदद से 14 बाल पे 23,की पारी खेली फिर भी अशोक कुमार मीणा जी ने 3 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट चटकाए तो वही चौकी इंचार्ज रॉबर्ट्सगंज कमल नयन दुबे ने 3 ओवर में 38 रन देकर 2 विकेट चटकाकर अपनी टीम जिलाधिकारी एकादश को 9 रन से विजय दिलाई। अतः शानदार ऑल राउंडर प्रदर्शन करने वाले सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा को पुर्व सांसद राज्यसभा रामसकल , व वरिष्ठ नागरिक व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अजय शेखर , व भाजपा जिला अध्यक्ष नन्दलाल के द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया ।

प्रतिमा परमार्पण कर मना स्वामी विवेकानंद जयंती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर जन्मदिन युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिला

अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद का जयंती युवा दिवस के रूप में उनके चित्र पर युवा संभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल श्रीवास्तव जी द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर गोष्ठी प्रारंभ किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिनोद कुमार श्रीवास्तव सेवा निवृत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जनपद न्यायालय सोनभद्र ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहे एवं संपूर्ण विश्व में भारत के संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार प्रसार कर पूरे विश्व में एक अलख जलाने का कार्य किया और उन्होंने बताया कि किसी भी देश का निर्माण तभी संभव है जब उसे देश का युवा वर्ग अपनी अहम भुमिका निभाएगा तभी एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण संभव है इसी वजह से स्वामी विवेकानंद का अध्यक्ष रतन श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी ने कहा था कि आमतौर पर किसी भी देश का भविष्य युवा होता है इन्हीं से देश की बागडोर चलती है और उन्होंने बताया कि अपनी बातों से सोए हुए समाज को जगाने का काम तथा नई ऊर्जा का प्रसार स्वामी विवेकानंद जी ने किया था। स्वामी जी हिंदू धर्म को पूरे विश्व में पुनर्जीवन का कार्य किया था। उनका विचार युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है और उन्होंने कहा था कि उठो जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए आप अपने को जैसा सोचोगे वैसा ही बन पाओगे। आदर्श विचार धारा का प्रतिनिधित्व करने वाले शक्ति के प्रतीक संपूर्ण देश में आध्यात्म को विख्यात करने वाले पूज्य स्वामी विवेकानंद को स्मरण करते हैं स्वामी विवेकानंद जी अपने गुरु रामकृष्ण की याद में 5 मई 1887 में उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की 1893 में विश्व धर्म संसद में शिकागो में ऐतिहासिक भाषण देकर पूरे दुनिया को चौंका दिया था हम सभी उनके आदर्श और उपदेशों का पालन करने का सभी देशवासियों एवं युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहे स्वामी जी हिंदू धर्म पूरे विश्व भर में पुनर्जीवन देने का काम किए थे आयोजित कार्यक्रम में महासभा के संरक्षक/मुख्य अतिथि विनोद कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जनपद न्यायालय सोनभद्र एवम युवा संभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जिले के पदाधिकारीयों को युवा दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में संजय श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर जीवन पर प्रकाश डालते हुए लोगों को बताया कि हम सभी को स्वामी जी के विचारों का अनुसरण करना चाहिए और उनसे प्रेरणा लेना चाहिए कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिले के महामंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव, गिरीश लहरी श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव बृजेश श्रीवास्तव,प्रशांत श्रीवास्तव अवनीश श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव ,अरुण कुमार श्रीवास्तव, अभिषेक सिन्हा, अरविंद श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, पुनीत श्रीवास्तव, यथार्थ श्रीवास्तव, श्रेष्ठ श्रीवास्तव, गंगाधर श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, अनिल रावत, एडवोकेट सतीश श्रीवास्तव, एडवोकेट आनंद श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव,राकेश श्रीवास्तव ,गिरीश लहरी, बृजेश श्रीवास्तव सहित तमाम चित्रांश समाज के लोगों ने बढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक सिन्हा जिला सचिव द्वारा किया गया।

जन समस्याओं को लेकर पुनानिम ने सौपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पूर्वांचल नव निर्माण मंच रास्ट्रीय अध्यक्ष तथा रास्ट्रीय लोक दल प्रयागराज क्षेत्र के संगठन महासचिव श्रीकांत त्रिपाठी तथा मंच के रास्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय के नेतृत्व मे जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन। वही सोमवार को बड़ी संख्या में लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्रिय जनसमस्याओं का संज्ञान कराते हुए समय निर्धारित कर समाधान कराने की मांग किया। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय लोक दल प्रयागराज क्षेत्र के संगठन महासचिव श्रीकांत त्रिपाठी तथा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने बताया कि 6 दिसंबर से 23 दिसंबर तक किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती पर मनाए गए पखवाड़ा सप्ताह के अंतर्गत क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान मिली जन समस्याओं को जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से अलग कराते हुए समय बद्ध करते हुए निस्तारण की मांग किया गया है। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि नगवां विकास खंड में पोखरिया गांव के आसपास औद्योगिक कंपनियों का निर्माण कार्य शुरू। जिससे भविष्य में आसपास के गांवों में जमीनों का दाम बढ़ने अथवा मुआवजा ज्यादा मिलने की संभावना को देखते हुए भूमाफियाओं द्वारा पोखरिया गांव के अशिक्षित लोगों को उनके बच्चों को नौकरी देने का झांसा देकर उनकी जमीन अपने नाम कराने की जानकारी प्राप्त हुई । जिसे ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए पोखरिया गांव में हुए बैनामों की जांच कराने की मांग करते हुए साजिश की पुष्टि होने पर बैनामों को निरस्त कराने की मांग ज्ञापन के माध्यम से किया। इसी तरह भ्रमण के दौरान चतरा चतरा ब्लॉक में सखी महिला समूह द्वारा जीरो पॉवर्टी के तहत मिलने वाले से पात्रों को वंचित करने का मामला प्रकाश में आया था। जिसे जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर अवगत कराते वंचित महिलाओं को आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग किया।इस मामले में कलेक्ट्रेट पहुंची महिलाओं ने बताया कि विकास खंड के जिम्मेदार कर्मचारी पैसा लेकर अपात्रों को आवास दे रहे हैं।

गरीब मजलूमों की आवाज हैं प्रियंका गाँधी - कौशलेश पाठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गाँधी का जन्मदिन पूरे देश भर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों ने अलग अलग तरीके से समारोह पूर्वक मनाया, इसी क्रम में जनपद सोनभद्र में कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष कैशलेश पाठक के नेतृत्व में सेवादल द्वारा जिला मुख्यालय स्थित एक वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री जैसे तिल, गुण,लाई, ग़ज़कपट्टी इत्यादि वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष कैशलेश पाठक ने कहा कि प्रियंका गांधी सिर्फ कांग्रेस ही नहीं पूरे देश की नेता हैं, सकारात्मक राजनीति में उनका अभूतपूर्व योगदान है,जिस प्रकार समाज के सबसे दलित, पिछड़ा, युवा, महिला हर वर्ग की आवाज प्रियंका गांधी ने मजबूती से उठाई है चाहे वह उम्भा की घटना हो, हाथरस की घटना हो या उन्नाव की ,हर सामाजिक घटना पर उन्होंने ने मुखर होकर लड़ाई लड़ी। आगे कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए श्री पाठक ने बताया कि आज हमारी नेता प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर पूरे देश का कांग्रेस कार्यकर्ता अलग अलग तरह से मना रहा है कहीं कंबल वितरण तो कहीं मरीजों को फल वितरण करके इसी प्रकार सोनभद्र कांग्रेस सेवादल ने आगामी पर्व मकरसंक्रांति को भी ध्यान में रखकर खाद्य पदार्थों का वितरण कर अपनी नेता के दीर्घायु के लिए बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल पूर्वी जोन के महासचिव रामानंद पाण्डेय, शहर सेवादल अध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी, शिवपूजन शर्मा, रामरूप शुक्ला समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा निर्मित कर्मचारियों ने की बैठक बनाई रणनीति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मासिक मीटिंग के क्रम मे रविवार को सेवा निर्वित कर्मचारी नाथ सिंह, राम राज राम, नागेश्वर तिवारी, शिवगणेश, रमाशंकर प्रसाद, मोती सिंह, लछमण प्रसाद

एवं पेंशनर्स एसोद उद प्रद जनपद शाखा सोनभद्र के मासिक मीटिंग जनपद अध्यक्ष सूरज बली सिंह कि अध्यछता मे पुराना चिकित्सालय के सामने श्री राम जानकी मन्दिर के परिसर पर मीटिंग आहूत कि गई जिसमे बिभिन्न विभागों से सेवा निर्वित कार्मिक ने भागी दारी किया मीटिंग मे मुख्य रूप से डाद विक्रमा प्रसाद, ईद राधेश्याम सिंह, ईद ओमकार आदि ने मुख्य रूप से अपना विचार ब्यक्ति किया त् मीटिंग मे अधिवेसन के बिंदु पर महा कुम्भ के नहान के तिथि के बाद कोई तिथि फ़रवरी माह के मीटिंग मे कि जाएगीत् 1:30 तक मीटिंग संपन्न हुई अंतवमे जनपद अध्यक्ष सूरज बली सिंह द्वारा उपस्थित सदस्यो का आभार ब्यक्त करते हुए सभा समापन कि घोषणा की ।

मानसिक शांति, आत्मविश्लेषण व सकारात्मक ऊर्जा के लिए करे योग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। स्वामी विवेकानंद जयंती पर देवेश मिश्रा द्वारा मेडिटेशन सत्र का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद की जयंती, जिसे पूरे देश में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, के शुभ अवसर पर ज्योतिषाचार्य देवेश मिश्रा द्वारा एक विशेष मेडिटेशन सत्र का शुभारंभ राबर्ट्सगंज के संतनगर स्थित कार्यालय पर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को मानसिक शांति, आत्मविश्लेषण और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनके प्रेरणादायक जीवन पर चर्चा से हुआ। देवेश मिश्रा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ठस्वामी विवेकानंद के विचार आज भी हर व्यक्ति को नई ऊर्जा और प्रेरणा देते हैं। मेडिटेशन के माध्यम से हम उनके विचारों को अपने जीवन में उतार सकते हैं और अपने लक्ष्य की ओर केंद्रित रह सकते हैं।सत्र के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को ध्यान और योग की तकनीकों से परिचित कराया गया। यह सत्र न केवल तनावमुक्ति का माध्यम बना, बल्कि युवाओं को अपने भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानने और आत्मनिर्भर बनने का मार्ग भी दिखाया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और इसे एक अनूठा अनुभव बताया। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मेडिटेशन ने उन्हें अपने विचारों को व्यवस्थित करने और नई ऊर्जा प्राप्त करने में मदद की। कार्यक्रम के समापन पर देवेश मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों से नियमित मेडिटेशन करने की अपील की और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया।उक्त अवसर पर प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया गया।जिसमे युवा गतिविधियों में अहम योगदान के लिए युवा भारत ट्रस्ट के संस्थापक प्रदेश सरकार के यूथ आइकॉन सौरभ कांत पति तिवारी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मनीष,वंदना ,अखिलेश पाण्डेय ,दीपमाला, संतोष मिश्रा ,आनंद तिवारी ,धर्मराज सिंह, जटा शंकर पाण्डेय ,तालिब ,पार्थ,क्षितिज ,सीपी सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा धारा 82/83 सीआरपीसी से सम्बन्धित एक नफर वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीना के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम में फरार चल रहे व पुरस्कार घोषित अपराधियों तथा वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल निर्देशन मे प्रभारी निरीक्षक ओबरा राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में आज दिनांक 13.01.2025 को काफी समय से फरार चल रहे 82/83 सीआरपीसी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त शिवकुमार पुत्र मन्धारी कहार निवासी सडकी थाना मझियाव जनपद गढवा झारखण्ड उम्र करीब 58 वर्ष जिसके विरुद्ध मा0 न्यायालय द्वारा मु0नं0 291/19 धारा 401 भादवि में निर्गत एनबीडब्लू 82/83 सीआरपीसी के तहत गिरफ्तारी का आदेश जारी हुआ था, जिसकी गिरफ्तारी समय 11.30 बजे पर ओबरा पुलिस द्वारा की गयी तथा गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को मा0 न्यायालय रवाना किया गया। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** 1. शिवकुमार पुत्र मन्धारी कहार निवासी सडकी थाना मझियाव जनपद गढवा झारखण्ड उम्र करीब 58 वर्ष। **गिरफ्तार करने वाली टीम-** 1. प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 रामसिंह यादव, थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।

थाना अनपरा की साइबर टीम द्वारा आवेदक का फ्राड हुआ 30000/- रुपये कराया गया वापस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद सोनभद्र द्वारा आवेदक कैलाश महतो निवासी रेनूसागर थाना अनपरा जनपद सोनभद्र के द्वारा प्रेषित आनलाईन प्रार्थना पत्र की जाँच के क्रम में आवेदक द्वारा बताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बिना मेरी जानकारी के मेरे खाते से 30000/- रुपये का फ्राड कर लिया है, तो राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माधयम से आनलाईन शिकायत दर्ज करायी गई थी । कार्यवाही के क्रम मे थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन करके आवश्यक कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित बैंक शाखा से जरिये ईमेल/पत्राचार करके आज दिनाँक 13.01.2025 को आवेदक कैलाश महतो उपरोक्त का फ्राड हुआ 30000/- रुपये उनके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। आवेदक द्वारा थाना अनपरा की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा प्रशंसा की!

गणेश विश्वकर्मा को यूपी पूर्वी जोन के सचिव बने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एन एस यू आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी , उत्तर प्रदेश पूर्वी जोन के प्रभारी अनुराग राज त्रिवेदी एवं एन एस यू आई पूर्वी जोन के अध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय की संस्तुति पर गणेश विश्वकर्मा को उत्तर प्रदेश पूर्वी जोन का सचिव बनाया गया है और शीर्ष नेतृत्व मुझ पर जो भरोसा जताया है उसके लिए मैं गणेश विश्वकर्मा आप सभी शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त

करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि छात्र,युवा,नौजवान एवं बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रहेगा ।

621 ग्राम प्रधानों का 4 बिन्दुओं पर दो बैचों में ऑनलाइन प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उपनिदेशक पंचायत के अध्यक्षता में सम्पन्न उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश 24 अक्टूबर, 2024 के अनुपालन में सतीश कुमार, उप निदेशक (पंचायत), विन्ध्याचल मण्डल, मिर्ज़ापुर के

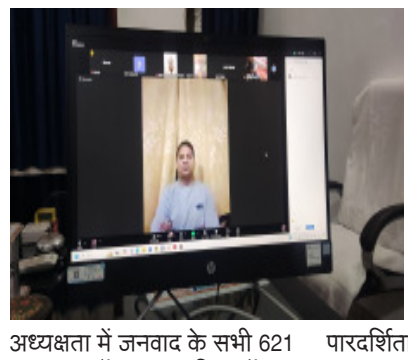

अध्यक्षता में जनवाद के सभी 621 ग्राम प्रधानों का 04 बिन्दुओं पर सोमवार को दो बैचों में ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा ग्राम प्रधानों को उ0प्र0 पंचायती राज अधिनियम 1947 धारा 15 के अनुसार पंचायतों के कार्य, उ0प्र0 पंचायती राज अधिनियम धारा 95 (1)(छ) के क्रम में ग्राम प्रधानों को पद से हटाया जाना, ग्राम पंचायतों में निर्वाचित प्रधानों द्वारा स्वयं की आई0टी0आर0 फाईल करना, महिला ग्राम प्रधानों के दायित्व एवं अधिकार इत्यादि सम्बन्धित विषयों पर जानकारी प्रशिक्षण में जानकारी दी गई। मंडली उपनिदेशक पंचायत द्वारा सभी ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण में बताया गया कि सभी ग्राम पंचायत पंचायती राज अधिनियम 1947 की धारा 15 के अनुसार ग्राम पंचायत में पारदर्शिता के आधार पर कार्य करें तथा ग्राम प्रधानों को पद से हटाए जाने का भी उल्लेख पंचायत राज अधिनियम के धार की तरफ किया जाता है अगर ग्राम पंचायतें पंचायत राज एक्ट के अनुसार कार्य नहीं कर रही हैं तो उन पर कार्रवाई की जा सकती है साथ ही समस्त ग्राम प्रधानों को अपना आइटीआर भी फाइल करने की भी जानकारी दी गई। जो महिला ग्राम प्रधान है उनके दायित्व एवं अधिकार के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी गई और बताया गया कि महिला ग्राम प्रधान स्वयं आगे आकर कार्य करें तथा अपने गांव के विकास में अपनी भूमिका निभाएं आज महिला ग्राम प्रधान आगे आकर अपने गांव को जागरुक कर रही हैं तथा सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार कार्य संपादित कर रही है। ग्राम प्रधानों को इन विषयों पर राजेश सिंह अपर जिला पंचायत अधिकारी सोनभद्र एवं प्रेमदास अपर जिला पंचायत का मिर्जापुर द्वारा भी प्रशिक्षित किया गया तथा जनपद स्तर पर सभी ग्राम प्रधान के साथ पंचायत सचिव, समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत एवं जिला पंचायत अधिकारी नामित शरण ने प्रशिक्षण ने प्रतिभाग़ किया। कार्यक्रम का संचालन सीनियर फैकल्टी डीपीआरसी सोनभद्र राजेश त्रिपाठी ने किया।

थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा 02 नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 42/2024 धारा-

103(1) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा विवेचना के दौरान पंजीकृत अभियोग की धारा 108 बीएनएस में तरमीम किया गया। उक्त अभियोग में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी ओबरा को निर्देश दिए गए थे। आज दिनांक 13.01.2025 को हाथीनाला पुलिस ने पंजीकृत अभियोग उपरोक्त से संबंधित वांछित अभियुक्तगण 01. अभियुक्ता विफनी देवी पत्नी अशर्फी यादव ग्राम सऊडीह पोस्ट हथवानी थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र उम्र करीब 60 वर्ष 02. अभियुक्त राजेश यादव पुत्र अशर्फी यादव उम्र करीब 35 वर्ष निवासी सऊडीह पोस्ट हथवानी थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र को मुखबिर की सूचना के आधार पर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों का विवरण-** 1. अभियुक्ता विफनी देवी पत्नी अशर्फी यादव ग्राम सऊडीह पोस्ट हथवानी थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र उम्र करीब 60 वर्ष । 2. राजेश यादव पुत्र अशर्फी यादव उम्र करीब 35 वर्ष नविासी सऊडीह पोस्ट हथवानी थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः-** 1. प्र0नि0 भैया एस0पी0 सिंह, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र । 2. हे0का0 तेरसू यादव, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र । 3. हे0का0 विनोद यादव, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र । 4. म0का0 दीक्षा सरोज, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र ।

थाना अनपरा की साइबर टीम द्वारा आवेदक का फ्राड हुआ 30000/- रुपये कराया गया वापस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद सोनभद्र द्वारा आवेदक कैलाश महतो निवासी रेनूसागर थाना अनपरा जनपद सोनभद्र के द्वारा प्रेषित आनलाईन प्रार्थना पत्र की जाँच के क्रम में आवेदक द्वारा बताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बिना मेरी जानकारी के मेरे खाते से 30000/- रुपये का फ्राड कर लिया है, तो राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (म्बैम्स,दन्.ग्ह) के माधयम से आनलाईन शिकायत दर्ज करायी गई थी । कार्यवाही के क्रम मे थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन करके आवश्यक कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित बैंक शाखा से जरिये ईमेल/पत्राचार करके आज दिनाँक 13.01.2025 को आवेदक कैलाश महतो उपरोक्त का फ्राड हुआ 30000/- रुपये उनके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। आवेदक द्वारा थाना अनपरा की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा प्रशंसा की!

स्पोर्ट्स

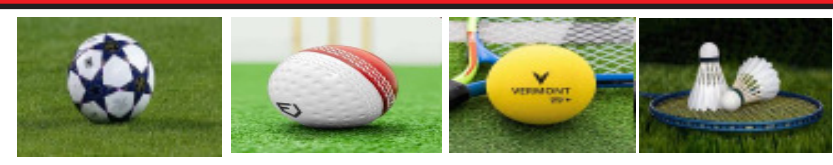

बावुमा की अगुआई वाली द. अफ्रीका की टीम का एलान, एनगिडी-नॉर्त्जे की वापसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नॉर्त्जे को पिछले महीने पैर में चोट लगी थी। इसकी वजह से वह पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर किया गया था। वहीं, पिछले साल नवंबर में ग्रोइन स्ट्रेन की वजह से एनगिडी नहीं खेल रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का एलान कर दिया गया है। तेम्बा बावुमा की अगुआई में यह टीम टूर्नामेंट में उतरेगी। हाल ही में चोट से उबरे तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी और एनरिक नॉर्त्जे की स्क्वॉड में वापसी हुई है। टीम में तीन स्पिनर और पांच तेज गेंदबाज हैं। बावुमा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई थी। ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी में भी उनसे यही उम्मीद की जा रही है। दक्षिण अफ्रीका की टीम को ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और अफगानिस्तान के साथ रखा गया है। नॉर्त्जे को पिछले महीने पैर में चोट लगी थी। इसकी वजह से वह पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर किया गया था। वहीं, पिछले साल नवंबर में ग्रोइन स्ट्रेन की वजह से एनगिडी नहीं खेल रहे थे। एनगिडी ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज मिस किया था। दक्षिण अफ्रीका की टीम 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची थी। तब टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था और उन्हें सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। उस टूर्नामेंट में भी तेम्बा बावुमा कप्तान थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने अभियान की शुरुआत 21 फरवरी को कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया से 25 फरवरी को रावलपिंडी में भिड़ेगी। वहीं, ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच बावुमा की टीम एक मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे हैं। उन्हें पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ डरबन टेस्ट में यह समस्या आई थी और उसके बाद उन्होंने गकेबरहा में दूसरा टेस्ट और पाकिस्तान के खिलाफ पूरी सीरीज को मिस किया था। इसके अलावा चोटिल तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने टीम में ज्यादा से ज्यादा ऑलराउंडर को शामिल करने की कोशिश की। यही वजह है कि रिहैब से गुजर रहे वियान मुल्डर को भी शामिल किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के दौरान उनकी अंगुली टूट गई थी। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में दूसरे टेस्ट में वह खेले थे। अब फीजियो ने उन्हें ग्रीन सिग्नल दे दिया है। टीम में केशव महाराज और तबरेज शम्सी के रूप में दो मुख्य स्पिनर हैं, जबकि एडेन मार्करम इन दोनों की सहायता करेंगे। वहीं, तेज गेंदबाजी का जिम्मा यानसेन, एनगिडी, नॉर्त्जे, रबाडा और मुल्डर के हाथों में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका टीमः तेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को यानसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्जे, कगिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रसी वान डर डुसेन।

गंभीर को 'पाखंडी' कहने के बाद मनोज तिवारी ने दिया स्पष्टीकरण, आलोचना हुई तो मीडिया पर मढ़ा दोष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तिवारी ने मुख्य कोच गौतम गंभीर पर हाल ही में निशाना साधा था और उनकी जमकर आलोचना की थी। मनोज ने गंभीर को पाखंडी बताया और कहा था कि वह अपनी बात पर अमल नहीं करते हैं।भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज मनोज तिवारी ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को पाखंडी कहने के बाद इस मामले को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। गंभीर के लिए इस तरह के शब्द का प्रयोग करने को लेकर तिवारी की आलोचना हुई थी जिसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे लेकर अपना रुख स्पष्ट किया और सारा दोष मीडिया पर मढ़ दिया। तिवारी का कहना है कि उन्होंने 20 मिनट का साक्षात्कार दिया था, लेकिन मीडिया ने सिर्फ एक शब्द पर ही ध्यान दिया।तिवारी ने मुख्य कोच गौतम गंभीर पर हाल ही में निशाना साधा था और उनकी जमकर आलोचना की थी। मनोज ने गंभीर को पाखंडी बताया और कहा था कि वह अपनी बात पर अमल नहीं करते हैं। इतना ही नहीं मनोज ने गंभीर के मुख्य कोच बनने पर ही सवाल खड़े कर दिए थे और उन्हें इस पद के लिए गलत विकल्प बताया था। तिवारी का बयान ऐसे समय आया था जब गंभीर के कोच रहते भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हार का सामना करना पड़ा था। तिवारी ने एक स्थानीय चैनल से बात करते हुए कहा था, गंभीर पाखंडी हैं। वह जो कहते हैं वो करते नहीं है। गेंदबाजी कोच की जरूरत ही क्या है? जो भी कोच कहेगा, उसे उस बात पर सहमति जतानी होगी। मोर्ने मोर्कल लखनऊ सुपरजाएंट्स से आए हैं, जबकि अभिषेक नायर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में गंभीर के साथ थे। भारतीय कोच को पता है कि ये दोनों उनके खिलाफ नहीं जाएंगे।हालांकि, इस बयान के तीन दिन बाद अब तिवारी स्पष्टीकरण दे रहे हैं। मालूम हो कि पूर्व खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने तिवारी की आलोचना की थी जिसके बाद उन्होंने वीडिया जारी कर अपने बयान पर रुख स्पष्ट किया। तिवारी ने कहा, मैं अपने कोचिंग सेंटर में था और अभ्यास के बाद बैठा हुआ था। स्थानीय मीडिया इस दौरान मेरा साक्षात्कार लेने आई। मैंने 20-25 मिनट बात की, लेकिन आप सभी को पता है कि मीडिया इसे एडिट करती है। वे उस हिस्से को ही रखते हैं जिसकी मांग ज्यादा होती है।तिवारी ने आकाश चोपड़ा को संबोधित करते हुए कहा, आकाश भाई इसके दो हिस्से हैं। मुझे यकीन है कि आपने पूरा साक्षात्कार नहीं देखा होगा, लेकिन इसके चार-पांच लाइन को ही देखा होगा। इसलिए आकाश भाई में इसे लेकर स्पष्टीकरण देना चाहता हूं। मैं आकाश का सम्मान करता हूं क्योंकि वह हमेशा ईमानदारी से अपनी राय रखते हैं। मुझे लगता है कि इसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। आकाश भाई ने कहा कि मनोज बहती गंगा में हाथ धो रहा है। ऐसा कुछ नहीं है भाई, मुझे बहती गंगा में हाथ धोने की जरूरत नहीं है। नदी मेरे घर के पास ही है और जब चाहूं तब वहां जाकर हाथ धो सकता हूं, लेकिन मेरे ऐसा करने का इरादा नहीं है। मैं उन लोगों की बातों को नहीं दोहरा रहा था जो अन्य लोगों ने कही है। मैंने वही कहा जो मैंने साक्षात्कार में महसूस किया।

विराट कोहली के कारण 2019 विश्व कप में नहीं चुने गए थे रायुड रॉबिन उथप्पा ने दिया बड़ा बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। उथप्पा ने साथ ही खुलासा किया कि रायुडू के घर पर विश्व कप की जर्सी और किट बैग तक पहुंचा दी गई थी, लेकिन उन्हें फिर भी नहीं चुना गया। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने पूर्व कप्तान विराट कोहली पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने 2019 वनडे विश्व कप से ठीक पहले अंबाती रायुडू के लिए टीम के दरवाजे बंद कर दिए थे। मालूम हो कि रायुडू चयन के दावेदार थे, लेकिन जब टीम घोषित हुई तो उनका नाम शामिल नहीं था। इसके बाद रायुडू ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उथप्पा ने एक साक्षात्कार में कहा, अगर कोहली किसी को पसंद नहीं करते या उन्हें ऐसा लगता था कि कोई खिलाड़ी सही नहीं है तो उसे बाहर कर दिया जाता था। रायुडू इसका उदाहरण हैं। आपको उनके लिए खराब लगेगा। हर खिलाड़ी इस स्तर पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करता है। सबकी अपनी पसंद होती है और मैं यह स्वीकार करता हूं, लेकिन आप किसी खिलाड़ी के लिए उसी के मुंह पर दरवाजे बंद नहीं कर सकते। मेरी राय में वह गलत था।

चैंपियंस ट्रॉफी में यह हो सकती है ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11, कमिंस के खेलने पर संशय बरकरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कमिंस भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टखने की चोट से जूझते रहे थे । वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म और इस चोट के कारण आगामी श्रीलंका दौरे पर भी नहीं जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सोमवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अपनी कप्तानी में टीम को वनडे विश्व कप 2023 का खिताब दिलाने वाले तेज गेंदबाज पैट कमिंस इस टूर्नामेंट में भी कंगारू टीम की कमान संभालेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस टीम में जोश हेजलवुड को भी शामिल किया है जो चोट के कारण भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बीच में ही हट गए थे। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल चोटिल थे। इसके अलावा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मार्कस स्टोइनिस को भी आराम दिया था, ताकि युवा खिलाड़ियों को मौका मिल सके। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए बोर्ड कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहता। ऐसे में इन दो मैच विनर्स की वापसी हुई है। बिग बैश लीग और आईपीएल में अपनी बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरने वाले जेक फ्रेजर मैकगर्क ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह जलवा नहीं बिखेरा है, जिसकी उनसे उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उनका चयन नहीं करने का फैसला किया है। मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ओपनिंग के लिए उतर सकते हैं। वहीं, मध्यक्रम की जिम्मेदारी स्मिथ, लाबुशेन और इंगलिस संभालेंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, यह संतुलित और अनुभवी टीम है जिसके अधिकांश खिलाड़ी पिछला वनडे विश्व कप , वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज और पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज खेल चुके हैं। चैंपियंस ट्रॉफी का यह नौवां संस्करण है। ऑस्ट्रेलियाई टीम दो बार इसकी विजेता रह चुकी है। कंगारुओं ने 2006 और 2009 में यह टूर्नामेंट जीता था। 2006 में उसने फाइनल में वेस्टइंडीज और 2009 में न्यूजीलैंड को हराया था।

नए सचिव देवजीत सैकिया ने टेस्ट में खराब प्रदर्शन पर जताई चिंता, पुरानी फॉर्म हासिल करने को चुनौती बताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई सभी विशेषज्ञों से बात कर रहा है और सकारात्मक नतीजा निकालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत इसे सीरीज दर सीरीज आगे बढ़ाएगा और फिलहाल इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज पर ध्यान केंद्रित करेग भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नवनियुक्त सचिव देवजीत सैकिया ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम टेस्ट प्रारूप में संघर्ष कर रही है। सचिव चुने जाने के बाद सैकिया ने कहा कि भारत के लिए लाल गेंद के प्रारूप में पुरानी फॉर्म हासिल करना चुनौती है। भारत को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच की सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था जिस कारण वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में नहीं पहुंच सका था। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई सभी विशेषज्ञों से बात कर रहा है और सकारात्मक नतीजा निकालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत इसे सीरीज दर सीरीज आगे बढ़ाएगा और फिलहाल इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज पर ध्यान केंद्रित करेगा। सैकिया ने कहा, यह बड़ी चुनौती है क्योंकि आप जानते हैं कि हमने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली दो टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज है और फिर दुबई में हमें चैंपियंस ट्रॉफी में भी खेलना है। हम एक समय में एक ही टूर्नामेंट के बारे में सोच रहे हैं। हमने पिछले दो दिनों में काफी चर्चा की है और हमें जो भी झटके मिले हैं, उससे उबरने की कोशिश करेंगे। सैकिया ने कहा, हम विशेषज्ञों की भी राय ले रहे हैं जिससे इन चर्चाओं का सकारात्मक पहलू निकल सके। हमारी तत्काल चुनौती घर में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज है और फिर चैंपियंस ट्रॉफी भी होनी है। मैं आईसीसी के मौजूदा अध्यक्ष और बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह के कार्यों को आगे बढ़ाना चाहता हूं। सैकिया को रविवार को बीसीसीआई की विशेष आम सभा के दौरान सचिव चुना गया था। सैकिया आईसीसी के नवनियुक्त अध्यक्ष जय शाह की जगह यह पद संभालेंगे। सैकिया का बीसीसीआई सचिव बनना तय माना जा रहा था क्योंकि इस पद के लिए नामांकन करने वाले वह एकमात्र उम्मीदवार थे। वहीं, प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। भाटिया आशीष शेल्लार की जगह कोषाध्यक्ष पद संभालेंगे। आशीष महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार में कैबिनेट मंत्री बने थे जिस कारण उन्हें बीसीसीआई में अपना पद छोड़ना पड़ा था। सैकिया प्रथम श्रेणी के पूर्व क्रिकेटर हैं जिन्होंने 1990 से 1991 तक चार मैच खेले हैं। उनका क्रिकेट करियर काफी छोटा रहा है और उन्होंने इस दौरान 53 रन बनाए तथा विकेट के पीछे नौ शिकार किए।

जर्सी नंबर-18' से जुड़ा संयोग, वनडे में 96 पारियों के बाद कोहली-मंधाना के आंकड़े लगभग बराबर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मंधाना से जुड़ा एक अजब संयोग सामने आया है। वह और विराट दोनों की ही जर्सी नंबर 18 है। मंधाना कोहली की बहुत बड़ी फैन भी हैं। इतना ही नहीं दोनों भारतीय टी20 लीग में एक ही फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भी खेलते हैं। भारत और आयरलैंड की महिला टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। भारतीय महिला टीम ने रविवार को दूसरे वनडे में आयरलैंड को 116 रन से हराया, जबकि शुक्रवार को पहले वनडे में टीम इंडिया ने छह विकेट से जीत दर्ज की थी। इस सीरीज में अब तक कप्तान स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी की है। उन्होंने दो पारियों में 57 की औसत से 114 रन बनाए हैं। इनमें एक अर्धशतक शामिल है। मंधाना अब तक भारत के लिए सात टेस्ट, 96 वनडे और 148 टी20 खेल चुकी हैं। 96 वनडे पारियों के बाद उनके और विराट कोहली के आंकड़े लगभग बराबर हैं। मंधाना से जुड़ा एक अजब संयोग सामने आया है। वह और विराट दोनों की ही जर्सी नंबर 18 है। मंधाना कोहली की बहुत बड़ी फैन भी हैं। इतना ही नहीं दोनों भारतीय टी20 लीग में एक ही फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भी खेलते हैं। अब 96 वनडे पारियों वाला आंकड़ा भी इसमें जुड़ गया है। विराट ने अपनी 96वीं वनडे पारी 2013 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सोफिया गार्डन में खेली थी। उस मैच में उन्होंने 31 रन बनाए थे।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

पंजाब किंग्स ने किया कप्तान का एलान, आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर संभालेंगे जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए पंजाब किंग्स ने अपने नए कप्तान का एलान कर दिया है। फ्रेंचाइजी ने श्रेयस अय्यर को जिम्मेदारी सौंपी है। आईपीएल 2025 के लिए पंजाब किंग्स ने अपने नए कप्तान का एलान कर दिया है। फ्रेंचाइजी ने श्रेयस अय्यर को नया कप्तान चुना है। टीम ने रविवार को इसकी घोषणा की। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा- 'मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि टीम ने मुझ पर अपना विश्वास जताया है। मैं कोच पोंटिंग के साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे उम्मीद है कि टीम प्रबंधन द्वारा दिखाए गए विश्वास को मैं अपना पहला खिताब दिलाकर चुका पाऊंगा।' आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को रिकॉर्ड दाम पर अपनी टीम में शामिल किया था। श्रेयस कुछ समय के लिए आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे, लेकिन ऋषभ पंत ने उन्हें पछाड़ दिया जब लखनऊ सुपर जाइंट्स ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा। पंजाब ने श्रेयस के लिए 26.75 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। पिछले सीजन में शिखर धवन की अनुपस्थिति में सैम करन पंजाब की कमान संभाल रहे थे, लेकिन इस बार पंजाब ने उन्हें रिटेन नहीं किया। श्रेयस ने पिछले सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कमान संभाली थी और अपनी कप्तानी में टीम को 10 साल बाद खिताब दिलाया था। श्रेयस ने कप्तानी में अपना दम दिखाया है। यही कारण है कि अब पंजाब किंग्स ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। आईपीएल में पंजाब किंग्स श्रेयस अय्यर के करियर की तीसरी टीम है। इससे पहले वह कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल चुके हैं। दिल्ली कैपिटल्स (2015-21) के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने एक आक्रामक युवा खिलाड़ी के रूप में ख्याति अर्जित की थी। 2021 में श्रेयस पंत की कप्तानी में खेले थे। 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में शामिल होने के बाद अय्यर ने अपनी कप्तानी में 2024 में कोलकाता को तीसरी बार खिताब दिलाया। अपने आईपीएल करियर में अय्यर ने 31.67 की औसत से 2,375 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 123.96 का है और उन्होंने 16 अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 रन का है। केकेआर के लिए अपने पिछले सीजन में उन्होंने 15 मैचों में 39.00 की औसत और 146 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 351 रन बनाए थे। इनमें दो अर्धशतक शामिल हैं।

सम्पादकीय

स्वतंत्रता से 50 साल पहले ही स्वामी जी ने प्रस्तुत किया था 'विकसित भारत' का दृष्टिकोण

19वीं सदी के महान योगी स्वामी विवेकानंद ने स्वतंत्रता से 50 साल पहले ही 'विकसित भारत' का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में मद्रास में 'भारत का भविष्य' नामक व्याख्यान में अपने देशवासियों से आग्रह किया था कि वे अगले पचास वर्षों तक देश के लिए जिएं और ठीक पचास साल बाद भारत 1947 में स्वतंत्र हो गया। जब भारत स्वतंत्रता के 75 वर्षों का जश्न मना रहा है, तब वह 2047 तक 'विकसित भारत' पहल के तहत एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखता है। 140 करोड़ लोग, जो पिछले कई वर्षों से खुद को 'विकसित हो रहा देश' कहते आ रहे हैं, अब एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन 'विकास' की परिभाषा पर विचार करना भी जरूरी है, क्योंकि यह किसी भी समाज की सामूहिक चेतना और जीवन के तरीके का मूल है।स्वामी विवेकानंद, 19वीं सदी के महान योगी, ने स्वतंत्रता से 50 साल पहले ही 'विकसित भारत' का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में मद्रास में 'भारत का भविष्य' नामक व्याख्यान में अपने देशवासियों से आग्रह किया था

कि वे अगले पचास वर्षों तक देश के लिए जिएं, और ठीक पचास साल बाद भारत 1947 में स्वतंत्र हो गया। विकास के तात्त्विक सार में गहराई से उतरने पर हमें यह समझ में आता है कि हमें किसे विकसित करना है? आज के समय में 'विकसित' होने का जो दृष्टिकोण है, वह पश्चिमी विचारों से प्रभावित दिखाई देता है, जिसमें यह माना जाता है कि ऊंची इमारतें, महासागर को पार करने वाले पुल और पहाड़ों को काटने वाली सड़कों के निर्माण को ही विकास का प्रतीक माना जाता है। लेकिन यह पश्चिमी विचार भारतीय संस्कृति के अनुकूल नहीं है, क्योंकि भारत की संस्कृति हमेशा से केवल भौतिक समृद्धि तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह उससे भी आगे है। सभ्यताओं की शुरुआत से ही भारतीय मस्तिष्क, महान ऋषि और योगियों ने भीतर जाकर महान आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया। लेकिन इसी समय, भारत की आध्यात्मिक धरोहर को भौतिक समृद्धि से समझौता किए बिना संरक्षित और संवर्धित किया गया, क्योंकि यह इस सभ्यता का अंतिम लक्ष्य नहीं था। सिंधु घाटी सभ्यता को अपनी परिष्कृत शहरी योजना, उन्नत घरों और विशाल मंदिरों के लिए जाना जाता है, जिनमें धातु-स्टील का प्रयोग नहीं किया गया।इस प्रकार, भारत पहले ही हजारों साल पहले भौतिक और आध्यात्मिक दोनों रूपों में विकसित था, जो उसकी वास्तविक विकास का खजाना था। स्वामी विवेकानंद ने पाया कि इस राष्ट्र के पतन और गिरावट का कारण आम भारतीयों में आत्मविश्वास, आत्म-सम्मान और आत्मनिर्भरता की कमी थी। राष्ट्र ही 'मनुष्यों' का विस्तार है, इसलिए मनुष्यों को 'विकसित' करना चाहिए। जैसे जैसे व्यक्ति गिरता है, समाज गिरता है, और जैसे जैसे व्यक्ति बढ़ता है, समाज बढ़ता है, इसलिए यह वास्तव में व्यक्ति, 'मनुष्य', समाज का सार है, जिसे विकसित किया जाना चाहिए, तभी राष्ट्र 'विकसित' होगा। स्वामी विवेकानंद का राष्ट्र निर्माण पर दृष्टिकोण 'मानव निर्माण' और 'चरित्र निर्माण' पर आधारित था। जैसे प्रत्येक व्यक्ति का एक चरित्र होता है, वैसे ही प्रत्येक राष्ट्र का भी अपना चरित्र होता है। भारत का राष्ट्रीय चरित्र उसकी 'आध्यात्मिकता' है। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में 'भारत का भविष्य' नामक व्याख्यान में कहा था, अगले पचास वर्षों तक यही हमारी मुख्य धारा होगी- यह, हमारी महान मातृभूमि भारत। हमारे मन से सभी अन्य निरर्थक देवताओं को गायब होने दो। यही वह देवता है जो जागृत है, हमारी अपनी जाति- हर जगह उसके हाथ, हर जगह उसके पैर, हर जगह उसकी कान, वह सब कुछ ढकता है। सभी अन्य देवता सो रहे हैं। हमें किस निरर्थक देवता के पीछे जाना चाहिए और फिर भी हम उस देवता की पूजा नहीं कर सकते, जिसे हम चारों ओर देख सकते हैं, विराट?ङ्ग और ठीक पचास साल बाद भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। स्वामी विवेकानंद का 'विकसित भारत' पर दृष्टिकोण एक ऐसे समाज के पुनर्निर्माण, विकास और संरक्षण का था, जो आध्यात्मिक नींव पर आधारित हो, और जो सार्वभौमिक भ्रातृत्व और सार्वभौमिक सहिष्णुता के विचारों को जीए। युवाओं और महिलाओं को 'विकसित भारत' की नींव पर खड़ा किया जाएगा और स्वामी विवेकानंद का संदेश दोनों के लिए था। स्वामी विवेकानंद ने युवा पीढ़ी पर असीम विश्वास और आस्था रखी थी, जिनसे उन्होंने इस देश के पुनर्निर्माण के लिए कार्य करने का आह्वान किया था। 'विकसित भारत' में महिलाओं की भूमिका पर दिया जोर स्वामी विवेकानंद ने समाज में महिलाओं के महत्व को भी बहुत माना, जिनके बारे में उन्होंने एक बार 'शेरनी' कहा था। उन्होंने एक बार कहा था, एक राष्ट्र की प्रगति का सबसे अच्छा थर्मामीटर उसकी महिलाओं के साथ व्यवहार है। भविष्य में, युवाओं और महिलाओं को 'विकसित भारत' के लिए महान जिम्मेदारी दी जाएगी। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, प्रत्येक राष्ट्र का एक भाग्य होता है, प्रत्येक राष्ट्र का एक संदेश होता है, प्रत्येक राष्ट्र का एक मिशन होता है। स्वामी विवेकानंद का भारत के लिए दृष्टिकोण भौतिकवादी नहीं था, बल्कि यह पूरी तरह से आध्यात्मिक था। भारत के राष्ट्रीय जीवन का रक्त आध्यात्मिकता है, जो 'विकसित भारत' के जीवन रक्त के रूप में काम करेगा। भारत का विकास अन्य देशों के हितों की कीमत पर नहीं होगा, क्योंकि भारत का विकास समावेशी और व्यापक होगा। जैसा कि ऋषि अरविंदो ने सुंदर रूप से कहा, भारत अन्य देशों की तरह स्वयं के लिए नहीं उठता, जब वह मजबूत होता है, तो कमजोरों पर कदम रखने के लिए। वह अपने ऊपर सौंपे गए शाश्वत प्रकाश को दुनिया में फैलाने के लिए उठता है। भारत हमेशा मानवता के लिए रहा है, अपने लिए नहीं, और उसे महान होना चाहिए, मानवता के लिए, न कि अपने लिए। भारत 'विकसित' होगा, न केवल अपने लिए, बल्कि पूरी दुनिया और मानवता के लिए। इस राष्ट्रीय युवा दिवस पर, हम अपने समाज और चारों ओर की चेतना के प्रति अधिक जागरूक और जागृत हों।

आस्था की डुबकी, श्रद्धालुओं का सैलाब महाकुंभ में जुटे श्रद्धालु, संगम तट से शानदार तस्वीरें

महाकुंभ 2025 का शुभारंभ हो गया है। पवित्र स्नान का आज पहला दिन है। लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान शुरू कर दिया है। अनुमान है कि से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान लगाया जा रहा है। महाकुंभ के पहले दिन से प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट विचारों, मतों, संस्कृतियों, परंपराओं स्वरूपों का गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी के तट पर महामिलन 45 दिन तक चलेगा।

इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान करेंगे।यूपी की संगम नगरी में रही है। हजारों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। यह गंगा, यमुना और 'रहस्यमय' इस अमृतमयी महाकुंभ में देश-दुनिया से 45 करोड़ श्रद्धालुओं, संतों-भक्तों, कल्पवासियों और पड़ा। कहीं तिल रखने की जगह नहीं बची। आधी रात से ही पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी का शुभारंभ हो गया। इसी के साथ संगम की रेती पर जप, तप और ध्यान की वेदियां सजाकर मास पर्यंत यज्ञ-अनुष्ठानों के साथ कल्पवास भी आरंभ हो गया। समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का आज से आगाज हो गया। इस बार महाकुंभ में 183 देशों के लोगों के आने की उम्मीद है। इन विदेशी मेहमानों के स्वागत और आतिथ्य के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से भव्य तैयारियां की गई हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत रूप में प्रस्तुत करना चाह रही हैं। मेला क्षेत्र में रोजाना 800 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पहली बार 10 लाख वर्ग फीट में दीवारें पेंट की गईं हैं। जानकारी के मुताबिक, कुंभनगरी में सबसे ज्यादा रहे हैं। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद उनकी आगवानी और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है, तब कुंभ लगता है। त्रिवेणी संगम

महाकुंभ मेले का दिव्य और भव्य आगाज हो गया है। पौष पूर्णिमा के साथ ही 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ की की शुरुआत हो गई है। इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ सरस्वती नदियों का पवित्र संगम है। 144 साल बाद दुर्लभ संयोग में रविवार की आधी रात संगम पर पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ महाकुंभ का शुभारंभ हुआ। विपरीत अतिथियों के डुबकी लगाने का अनुमान है। घना कोहरा, थरथरा देने वाली कंपकंपी आस्था के आगे मीलों पीछे छूट गई। संगम पर आधी रात लाखों श्रद्धालुओं का रेला उमड़ फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया है। यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया है। इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे हुए हैं, जिनके नुमाइंदे भी मेले में शामिल होने के लिए आ करने की तैयारी कर रखी है। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के मकसद से कुंभनगरी के हर सेक्टर में पुलिस थाने बनाए गए हैं। साथ ही, फायर ब्रिगेड की टीमें भी तैनात की गई हैं। कुंभनगरी में कुल 56 अस्थायी थाने बने हैं। 37 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जिन्हें हर तरह की आपात स्थितियों से निपटने की ट्रेनिंग दी गई है। कुंभ मेले में भारी भीड़ के बीच किसी के खोने जैसी बातें आम हैं, लेकिन इसके लिए भी खास तैयारी की गई है। इस बार श्रद्धालुओं की मदद के लिए 15 लॉस्ट एंड फाउंड सेंटर बनाए गए हैं। बता दें कि 12 वर्ष बाद प्रयागराज में महाकुंभ लगा है। 2013 कुंभ मेले के लिए 1214 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया थाा। उस दौरान 160 किमी लंबी सड़कों का निर्माण कराया गया था। स्वच्छता के लिए 35 हजार शौचालयों का निर्माण कराया गया था। आंकड़ों के मुताबिक, 2013 के कुंभ मेले के दौरान शहर में करीब 70 लाख श्रद्धालु आए थे, लेकिन इस बार 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। ज्योतिषियों की मानें तो जब बृहस्पति कुंभ राशि के कारण प्रयाग का महाकुंभ सभी मेलों में ज्यादा महत्व रखता है। कहा जाता है कि देवताओं और राक्षसों के बीच समुद्र मंथन के दौरान 14वें रत्न के रूप में अमृत कलश निकला था, जिसे हासिल करने के लिए उनमें संघर्ष हुआ। असुरों से अमृत बचाने के लिए भगवान विष्णु ने विश्व मोहिनी रूप धारण कर वह अमृत कलश अपने वाहन गरुड़ को दे दिया। असुरों ने गरुड़ से वह कलश छीनने का प्रयास किया तो अमृत की कुछ बूंदें प्रयागराज, नासिक, हरिद्वार और उज्जैन में गिर गईं। कहा जाता है कि तब से हर 12 साल बाद इन स्थानों पर कुंभा मेला आयोजित किया जाता है। महाकुंभ कब से शुरू हुआ, इस संबंध में कुछ भी लिखित प्रमाण नहीं है। हालांकि, इस मेले का सबसे पहला लिखित प्रमाण बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेनसांग के लेख में मिलता है। उन्होंने छठवीं शताब्दी में सम्राट हर्षवर्धन के शासनकाल में होने वाले कुंभ मेले का वर्णन किया है। वहीं, ईसा से 400 वर्ष पूर्व सम्राट चंद्रगुप्त के दरबार में आए एक यूनानी दूत ने भी ऐसे ही मेले का जिक्र अपने लेख में किया है।

आखिर क्यों अखाड़ों के बिना नहीं की जा सकती कुंभ की कल्पना

वर्तमान में भारत में 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जो कुंभ मेला जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक अखाड़े का अपना विशिष्ट इतिहास, परंपरा और ईष्ट देवता होते हैं, और इनके सदस्य साधना, तपस्या और मेले की पहचान अखाड़ों की उपस्थिति से ही पूरी होती है।अखाड़ा परंपरा की शुरुआत प्राचीन भारतीय संस्कृति में तब से मानी जाती है जब साधुओं और तपस्वियों ने ध्यान और साधना के लिए संगठित रूप से ये केंद्र बनाए। नारायण त्रिपाठी हैं। समाज के 13 प्रमुख अखाड़ों का विवरण इस प्रकार है। 1. निरंजनी अखाड़ा- यह अखाड़ा 826 ईस्वी में गुजरात के मांडवी में स्थापित हुआ माना जाता है। इनके ईष्ट देव भगवान शंकर के पुत्र कार्तिकस्वामी हैं। इनमें अखाड़ा- यह अखाड़ा 569 ईस्वी में गोंडवाना क्षेत्र में स्थापित किया गया बताया जाता है। इनके ईष्ट देव भगवान गणेश हैं। यह सबसे प्राचीन अखाड़ों में से एक माना जाता है। इसकी मुख्य पीठ पाटन में है लेकिन आश्रम कनखल, हरिद्वार, इनके संस्थापक पीर शिवनाथजी हैं। इनका मुख्य दैवत गोरखनाथ है और इनमें बारह पंथ हैं। यह संप्रदाय योगिनी कौल नाम से प्रसिद्ध है और इनकी त्र्यंबकेश्वर शाखा त्र्यंबकंमठिका नाम से प्रसिद्ध है। 9. वैष्णव अखाड़ा- यह बालानंद थे। इनकी शाखाएं प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर में हैं। 12. निर्मल पंचायती अखाड़ा- यह अखाड़ा 1784 में अपनी स्थापना मानता है। सन् 1784 में हरिद्वार कुंभ मेले के समय एक बड़ी सभा में विचार विनिमय करके श्री दुर्गासिंह महाराज ने इसकी स्थापना की। इनकी ईष्ट पुस्तक श्री गुरुग्रन्थ साहिब है। इनमें सांप्रदायिक साधु, मंहत व महामंडलेश्वरों की संख्या बहुत है। इनकी शाखाएं प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और त्र्यंबकेश्वर में हैं। 13. निर्मोही अखाड़ा- निर्मोही अखाड़े की स्थापना 1720 में रामानंदाचार्य ने की थी। इस अखाड़े के मठ और मंदिर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात और बिहार में हैं। पुराने समय में इसके अनुयायियों को तीरंदाजी और तलवारबाजी की शिक्षा भी दिलाई जाती थी। 14.किन्नर अखाड़ा- यह अखाड़ा भारत में एक अनोखा धार्मिक और सामाजिक संगठन है, जो ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और उनकी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। इसकी स्थापना 2015 में आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने की थी। किन्नर अखाड़ा न केवल ट्रांसजेंडर समुदाय के धार्मिक अधिकारों को मान्यता देने का प्रयास करता है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए भी काम करता है। इसके माध्यम से किन्नर समुदाय सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्तर पर अपनी उपस्थिति और योगदान को सामने लाने का प्रयास करता है। कुंभ में अखाड़ों की अत्यधिक भूमिका भारत में अखाड़े न केवल धार्मिक आस्थाओं का प्रतीक हैं, बल्कि ये समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक सद्भाव फैलाने का कार्य भी करते हैं। कुम्भ मेला जैसे आयोजनों में इनकी भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है, जहाँ ये साधु अपनी तपस्या और साधना के माध्यम से समाज को जागरूक करते हैं और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को संरक्षित करते हैं। चारों कुम्भ स्थलों का प्रशासन अखाड़ा परिषद के सुझावों के अनुसार कुम्भ की सारी व्यवस्थाएं करता है।

समाज की सेवा में व्यस्त रहते हैं। प्रयागराज महाकुंभ इन दिनों करोड़ों सनातन धर्मावलम्बियों के लिए आस्था और विदेशियों के लिए भारतीय संस्कृति के प्रति कौतूहल और आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। चार स्थानों पर बारी-बारी 12 सालों में कुंभ और महाकुंभ के रूप में आयोजित होने वाले विश्व के इस सबसे मानव जमावड़ा और महापर्व विशेष रूप से उन साधुओं के लिए महत्वपूर्ण होता है, जो अखाड़ों के सदस्य होते हैं। इन अखाड़ों का न केवल धार्मिक कर्तव्य है बल्कि ये भारतीय समाज में एकता, शांति और जागरूकता का प्रसार भी करते हैं।दरअसल, सिद्धांत रूप में कुंभ मेला केवल एक धार्मिक महापर्व है जो संगम पर विशेष ग्रहों की स्थिति के अनुसार होता है। इसे बिना अखाड़ों के भी आयोजित किया जा सकता है, लेकिन यह पारंपरिक और सांस्कृतिक रूप से अधूरा माना जाएगा। अखाड़ों की अनुपस्थिति से इसका आकर्षण, आध्यात्मिक महत्व और ऐतिहासिक परंपरा कमजोर हो सकती है, इसलिए कुंभ माना जाता है कि अखाड़ा परंपरा महाभारत और रामायण काल से जुड़ी हुई है, तब धर्म, तपस्या और साधना के लिए समर्पित समूहों का अस्तित्व था। परंपरागत् रूप से इन अखाड़ों का उद्देश्य साधुओं को एकजुट करना और उन्हें धर्म, योग, और तपस्या के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना था। ऐसी भी मान्यता है कि अखाड़ा व्यवस्था शंकराचार्य द्वारा स्थापित की गई थी जिसका उद्देश्य सनातन धर्म को पुनर्जीवित करना और उसे एक संगठित रूप में प्रस्तुत करना था। वर्तमान में भारत में 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जो कुंभ मेला जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक अखाड़े का अपना विशिष्ट इतिहास, परंपरा और ईष्ट देवता होते हैं, और इनके सदस्य साधना, तपस्या और समाज की सेवा में व्यस्त रहते हैं। इनमें कुछ शैव सन्यासियों के तथा कुछ वैष्णव और अन्य पन्थों के अखाड़े हैं। कुछ समय पहले किन्नर अखाड़ा भी कुंभ में हिस्सा लेने लगा है जिसके प्रमुख स्वामी लक्ष्मी दिगम्बर, साधु, महन्त व महामंडलेश्वर होते हैं। इनकी शाखाएं इलाहाबाद, उज्जैन, हरिद्वार, त्र्यंबकेश्वर व उदयपुर में हैं। 2. जूना अखाड़ा- ऐसी मान्यता है कि यह अखाड़ा 1145 में उत्तराखण्ड के कर्णप्रयाग में स्थापित हुआ। इसे भैरव अखाड़ा भी कहते हैं। इनके ईष्ट देव रुद्रावतार दत्तात्रेय हैं। इसका केंद्र वाराणसी के हनुमान घाट पर माना जाता है। हरिद्वार में मायादेवी मंदिर के पास इनका आश्रम है। इस अखाड़े के नागा साधु माने जाते हैं और वर्तमान में साधू समाज का यही सबसे बड़ा अखाड़ा माना जाता है। 3. महानिर्वाण अखाड़ा- यह अखाड़ा 681 ईस्वी में स्थापित हुआ माना जाता है। कुछ लोगों का मत है कि इसकी स्थापना बिहार-झारखण्ड के बैजनाथ धाम में हुआ था, जबकि कुछ इसका जन्म स्थान हरिद्वार में नील धारा के पास मानते हैं। इनके ईष्ट देव कपिल महामुनि हैं। इनकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर, ओंकारेश्वर और कनखल में हैं। 4. अटल इलाहाबाद, उज्जैन व त्र्यंबकेश्वर में भी हैं। 5. आह्वान अखाड़ा- माना जाता है कि यह अखाड़ा 646 में स्थापित हुआ और 1603 में पुनर्संयोजित किया गया। इनके ईष्ट देव श्री दत्तात्रेय और श्री गजानन हैं। इस अखाड़े का केंद्र स्थान काशी है। इसका आश्रम ऋषिकेश में भी है। 6. आनंद अखाड़ा- इस अखाड़े की स्थापना 855 ईस्वी में मध्यप्रदेश के बेरार में मानी जाती है। इसका केंद्र वाराणसी में है। इसकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन में भी हैं।7. पंचाग्नि अखाड़ा- ऐसी मान्यता है कि इस अखाड़े की स्थापना 1136 में हुई थी। इनकी इष्ट देव गायत्री हैं और इनका प्रधान केंद्र काशी है। इनके सदस्यों में चारों पीठ के शंकराचार्य, ब्रहमचारी, साधु व महामंडलेश्वर शामिल हैं। परंपरानुसार इनकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन व त्र्यंबकेश्वर में हैं। 8. नागपंथी गोरखनाथ अखाड़ा- गोरखपंथियों के अनुसार यह अखाड़ा ईस्वी 866 में अहिल्या-गोदावरी संगम पर स्थापित हुआ। गैर शैव अखाड़ा ईस्वी 1595 में दारागंज में श्री मध्यमुरारी में स्थापित हुआ। समय के साथ इनमें निर्मोही, निर्वाणी, खाकी आदि तीन संप्रदाय बने। इनका अखाड़ा त्र्यंबकेश्वर में मारुति मंदिर के पास था। 1848 तक शाही स्नान त्र्यंबकेश्वर में ही हुआ करता था। परंतु 1848 में शैव व वैष्णव साधुओं में पहले स्नान कौन करे इस मुद्दे पर झगड़े हुए। श्रीमंत पेशवाजी ने यह झगड़ा मिटाया। उस समय उन्होंने त्र्यंबकेश्वर के नजदीक चक्रतीर्था पर स्नान किया। 10.उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ा- इस संप्रदाय के संस्थापक श्री चंद्रआचार्य उदासीन हैं। इनमें सांप्रदायिक भेद हैं। इनमें उदासीन साधु, मंहत व महामंडलेश्वरों की संख्या ज्यादा है। उनकी शाखाएं शाखा प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर, भदैनी, कनखल, साहेबगंज, मुलतान, नेपाल व मद्रास में है। 11.उदासीन नया अखाड़ा- इसे बड़ा उदासीन अखाड़ा के कुछ सांधुओं ने विभक्त होकर स्थापित किया। इनके प्रवर्तक मंहत सुधीरदासजी

पंजाबी विकास मंच द्वारा लोहड़ी कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। पंजाबी विकास मंच कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-56, नोएडा में पंजाबी विकास मंच द्वारा नोएडा-स्तर पर 9 वाँ लोहड़ी का सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम घूम घाम से मनाया जिसमें भांगड़ा,गिदा , और पंजाबी गाने व कविता गाए गए जिसमें लोगों ने संगीत व ढोल पर डांस भी किया। इस कार्यक्रम और प्रधान जी0के0 बंसल डिप्टी चेयरमैन संजीव पुरी द्वारा गुलदस्ते व शाल भेंट कर किया गया। अतिथियों ने पंजाबी समाज की अपनी परंपराओं को जीवन्त रखने में इस महत्व पूर्ण योगदान की भूरी भूरी प्रशंसा की। किया। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता पंजाबी रत्न दीपक विग (चेयरमैन - पंजाबी विकास मंच) ने सभा को संबोधित करते से पहले पंजाब एक बहुत बड़ा राज्य था, परन्तु कालान्तर में इसका 60झ् हिस्सा पाकिस्तान में चला गया, और बचे हुए 40झ् भाग में से भी हिमाचल, हरियाणा अलग हो गए । आज भी पुरे देश में 5 करोड पंजाबी है, जिसमे से 3.5 करोड के करीब पंजाब में है और 2 करोड के करीब दिल्ली एनसीआर देश भर में फैलें हुए है । इस के साथ-साथ सहायक सिद्ध होती है। आवश्यकता 'लोहड़ी' को मौसमी पर्व का स्थान भी देती है। इस त्यौहार के पीछे मान्यता है कि खरीफ की फसल धान आदि के आगमन के बाद, किसान प्रकृति को धन्यवाद देता है।पंजाबी विकास मंच के संरक्षक श्री जे0 ऐम0 सेठ ने बताया की लोहड़ी पर्व बहुत पुराना है, जिसके साथ अन्य किस्से भी जुड़ते पारंपरिक रूप से रबी मौसम की फसल के काम के हफ्तों के बाद अपने आँगन में अलाव जलाते हैं, आग के चारों ओर सामाजिक रूप से एकजुट होते हैं, सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत को चिह्नित करते हुए एक साथ गाते और नृत्य करते हैं और लोहड़ी का उत्सव मनाते हैं।इस अवसर पर सब उपस्थित लोगों ने पंजाबी रत्न दीपक विग की पंजाबी

में पंजाबी समाज ने बढ़चढ़ कर भाग लिया व तक़रीबन 700 से अधिक पंजाबी लोगों ने सहयोग देकर व उपस्थित होकर इसकी शोभा बढ़ाई। इस आयोजन में नोएडा के गणमान्य पंजाबियों के साथ साथ पूर्ण कार्यकारिणी परिवार सहित सम्मिलित हुए। माननीय अतिथियों में सर्वश्री डॉ महेश शर्मा सांसद पूर्व मंत्री, कैप्टन विकास गुप्ता दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री उत्तर प्रदेशभाजपा से, विपिन अग्रवाल और दिनेश यादव सपा से, पंकज अवाना पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा आप पार्टी से, अनिल यादव राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन शर्मा प्रदेश सायोंजक सोशल मीडिया कांग्रेस से,अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, के0 के 0जैन विकास जैन अध्यक्ष युवा व्यापार मंडल ,संजय मावी, अध्यक्ष एम् 56" व उनकी टीम, का स्वागत मंच पर पंजाबी विकास मंच के संरक्षकों व चेयरमैन दीपक विग हुए कहा की पंजाबी कोई जाति नहीं है, वरन 10,000 साल पुरानी संस्कृति है। ऋग्वेद में पंजाब को सप्त-नद कहा गया है और महाभारत में इसे पंच-नद कहा गया है। भारतीय पंजाब व अविभाजित पंजाब के मूल निवासी, चाहे वो किसी भी जाति अथवा धर्म से हो, पंजाबी ही कहलाते है। जैसे पूर्व-प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह खत्री सिख है, पर पूर्व-प्रधानमंत्री श्री इन्द्र कुमार गुजराल खत्री हिन्दू है। स्वर्गीयश्री अरुण जेटली पंजाबी ब्राह्मण व लाला लाजपत राय पंजाबी वैशेय थे, अमर शहीद भगत सिंह जी जाट सिख थे व् उनके साथी क्रांतिकारी सुखदेव थापर,मदन लाल ढींगरा भी खत्री थे । आज के समय में लोकप्रिय क्रिकेटर विराट कोहली खत्री हिन्दू है राजकपूर देवानंद रणबीर कपूर इन सभी को हम पंजाबी के तौर पर ही जानते है। श्री दीपक विग ने बताया की आज़ादी विदेशों में भी पंजाबी आबादी बड़ी संख्या में है। पंजाबी रत्न दीपक विग जी ने समस्त उत्तर प्रदेश के पंजाबियों (नॉएडा समेत) को लोहड़ी की बधाईयां दीं। पंजाबी विकास मंच के अध्यक्ष श्री जी के बंसल ने लोहड़ी पर्व का महत्व बताते हुए कहा, कि लोहड़ी का त्यौहार पौष माह के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद (माघ संक्रांति से पहली रात) यह पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी की पूजा के समय अग्नि में डलने वाली वस्तुओं से शब्द निर्माण जान पड़ता है, जिसमें ल (लकड़ी) ह्रओह (गोहा‚ सूखे उपले) ह्रड़ी (रेवड़ी)‚ 'लोहड़ी' के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि प्राचीन भारत में श्वतुर्यज्ञ का अनुष्ठान मकर संक्रांति पर होता था, संभवतः लोहड़ी उसी का अवशेष है। इसलिए लोहड़ी मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। पूस-माघ की कड़कड़ाती सर्दी से बचने के लिए आग भी गए । जैसे मुगल काल में, अकबर के शासन के दौरान, दुल्ला भट्टी पंजाब में रहा करता था । दुल्ला भट्टी ने पंजाब की लड़कियों की रक्षा की थी, क्योंकि उस समय अमीर सौदागरों को सदंल बार की जगह लड़कियों को बेचा जा रहा था । दुल्ला भट्टी ने इन्हीं सौदागरों से लड़कियों को छुड़वा कर उनकी शादी हिन्दू लड़कों से करवाई । इसलिए दुल्ला भट्टी को नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया और हर लोहड़ी को उसकी शौर्य-कथा भी सुनाई जानी शुरू हो गई । पंजाबी विकास मंच के डिप्टी चेयरमैन श्री संजीव पुरी ने बताया कि वास्तव में लोहड़ी शीतकालीन संक्रांति के बाद लंबे दिनों के आगमन का उत्सव है जो एक मध्य सर्दियों का त्यौहार है और हिमालय पर्वत के पास के क्षेत्रों से शुरू होता है जहाँ सर्दियाँ उपमहाद्वीप के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक ठंडी होती हैं। हिंदू और सिख विकाश मंच को आज की ऊँचाई पर पहुँचाने के लिए भूरी भूरी प्रशंसा की और यह आशा की कि वह पंजाबी समाज का मार्ग दर्शन पहले की तरह ही करते रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओ0पी0 गोयल , एस0पी0 कलरा आर0 एन0 गुप्ता , सुनील वाधवा, संजीव बांधा,हरीश सभरवाल, अजय साहनी, प्रदीप वोहरा, आर 0के0 भट्ट, संजय खन्नी,एस0एस0 सचदेव, अलका सूद, सरोज भाटिया , प्रभा जयरथ, ऋतु दुग्गल, अमरदीप शाह , प्रेम अरोड़ा , व यश पाल भनोत, अचल जैन , सुनील वर्मा, परवीन पासी , विक्रम कलसी, अंजना भागी, जितेंद्र कठपालिया,गौरव जग्गी,नीलम भागी, शरण चौहान, पिंकी गुप्ता,राजकुमार नारंग,नरेन्देर थरेजा, अमरजीत कौर,अभिषेक मुंजाल, हेमंत डोगरा,सुषमा नेब आदि सभी पदाधिकारियों ने महत्व पूर्ण भूमिका निभाई।

धीर राणा का भव्य स्वागत किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा धीर राणा जारचा मंडल के मंडल अध्यक्ष बनने पर सीदीपुर में मास्टर जितेन्द्र सिंह के आवास पर फूलमाला एवं पगड़ी बांधकर तथा माला पहनकर स्वागत किया उनके साथ ग्राम वासियों ने किया सम्मान इसके साथ-साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बधाई देकर सम्मानित किया भारतीय जनता पार्टी ने जारचा मंडल के अध्यक्ष बनने पर धीर राणा ने कहा यह भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का विश्वास है ।इस विश्वास को मैं धूमिल नहीं होने दूंगा इसीलिए मुझे यह मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है मैं सबको साथ लेकर सब का सम्मान करने वाला व्यक्ति हूं । धीर राणा ने कहा कि मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं को अपने साथ लेकर चलूंगा तथा देश के प्रति पार्टी के प्रति अपने नेताओं के प्रति वफादारी करता रहूंगा इस शुभ अवसर पर ।राजेन्द्र सिंह डीपी शर्मा कर्ण तोमर दिनेश तोमर हरि ओम तोमर ऋषिपाल सिंह,जितेन्द्र तोमर, ज्ञानेंद्र, अभिषेक,अमन,अनीता गुलीशता,सोनिका,मनीषा,कुसुम शर्मा के साथ-साथ सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पाकेट 7 में फ्री मेडिकल चेकअप कैम्प लगाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा पॉकेट सात सेक्टर 82 में आर डब्लू ए के सोजन्य से फ्लेक्स हॉस्पिटल की तरफ से फ्री मेडिकल चैकअप कैम्प का आयोजन किया गया, यह जानकारी आर डब्लू ए के उपाध्यक्ष रवि राघव ने दी है उन्होंने बताया कि कैम्प में लोगों के बी पी, सुगर ई सी जी आदि जाँच निशुक्ल की गयी, रवि राघव ने बताया कि आर डब्लू ए इस तरह के आयोजन समय समय पर करती रहती है इस अवसर पर 127 लोगों ने अपने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई , इस अवसर रवि राघव, गोरे लाल, सुशील पाल, दीपक तिवारी, राजेश पाठक, सर्वेश तिवारी,विष्णु शर्मा, नवल मिश्रा, सुभाष शर्मा, लाल बाबू शर्मा, किशोर कपूर, संजय पांडे, हरि शंकर सिंह, अंगद सिंह तोमर, अनूप सिंह, आदि पॉकेटवासी उपस्थित रहे।

अंतस सेवा फाउंडेशन ने विवेकानंद जयंती मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा अंतस सेवा फाउंडेशन के द्वारा ठस्वामी विवेकानंदठजयंती के अवसर पर नॉएडा स्थित साईं कृपा ङ्कबाल कुटीरङ्गमें स्वामी जी के जीवनी के बारे में प्रश्न-उत्तर पूछा गया,और स्वामी विवेकानंदङ्गजी की चित्र भी बच्चों ने बहुत सुन्दर बनाई इस अवसर पर संस्था की संस्थापिका स्मिता श्रीवास्तव जी,राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर प्रियंका सिंह जी, समाजसेविका कविता सिंह जी,श्रीमती शालिनी झा जी, विशेष अतिथि डॉक्टर कल्पना पांडे जी का मुख्य रूप से योगदान रहा...जिन बच्चों का प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन रहा उन्हें उपहार दिया गया बाकी बच्चों के लिए भी नोटबुक और पेंसिल दिया गया । वहाँ की संचालिका 'अंजना राजगोपाला'जी को भी पटका पहनाकर और पौधा देकर सम्मानित किया गया।

काश लहू का इक इक कतरा भारत मां के काम आय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।नवप्रवाह साहित्यिक मंच सोनभद्र के तत्वावधान में तृतीय समागम के अवसर पर लोहरा सुकृत में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन रविवार दिन में भव्य दिव्य ढंग से संपन्न हुआ।सभीं वर्ना वो लड़की कंगाल बनाकर छोड़ेगी सुनाया और हंसाते रहे। राहुल सिंह कुशवाहा प्रवाह ने ,उनकी आंखों में पानी नहीं चाहिए,याद ऐसी भी आनी नहीं चाहिए।शारिक मखदूम फूलपुरी ने शायरी, मिलन के वास्ते बेताब है दिल अब तो आ दो कुल की पहचान बेटियां गुलशन की हैं शान बेटियां सुनाया और करुण रस का संचार किया शमां बांध दिये । रामनरेश नरेश वाराणसी ने मोहन गिरधारी घनश्याम ऐसा दो हमको वरदान सबके रोम रोम से निकलें मेरा प्यारा

कवियों को अंगवस्त्र लेखनी पुस्तिका प्रतीक चिन्ह देकर जहां अभिनंदन किया गया वहीं बाबू जगदेव प्रसाद युवा गौरव सम्मान शायर शारिक मखदूम फूलपुरी प्रयागराज को दिया गया तो वहीं महात्मा ज्योतिबा फुले साहित्य सम्मान इंजीनियर रामनरेश नरेश वाराणसी को दिया गया। आयोजन की अध्यक्षता शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के निदेशक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट वरिष्ठ साहित्यकार ने किया तो वहीं सफल संचालन नाथ सोनांचली ने किया। वंदना संस्था प्रमुख गोपाल कुशवाहा शिक्षक ने किया । दीपदान माल्यार्पण पश्चात विधिवत आयोजन का आगाज हुआ। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने मीरा मोहन की प्रीत लिख देना सबके होंठों पे गीत लिख देना मार मादक मगन वियोगी मन साथ साजन हो जीत लिख देना बसंत को समर्पित श्रंगार की पंक्ति तो वहीं,,काश लहू का इक इक कतरा भारत मां के काम आये सुनाया और वाहवाही लूटी।प्रमोद सिंह निर्मल ने भूल कर भी न देना एटीएम का पिन उसको, जाओ सुनाया और सराहे गये।डा, छोटेलाल सिंह मनमीत वाराणसी ने , न्याय बिकने लगा जाके दरबार में,लिखने वालों की जब कलम सो गई सुनाया और संवेदना को मुखर किये। म्योरपुर से पधारे यथार्थ विष्णु ने, ना राजा का लड़का हूं मैं ना उद्यम व्यापार, मैं गीतों का राजकुमार सुनाया और गतिज ऊर्जा देकर पूरे वातावरण को रसमय बनाये। अहरौरा से पधारे नरसिंह साहसी तथा जयराम सोनी सोनभद्र ने अपनी कविता वह हंसगुल्ले से देर तक लोगों को हंसाते रहे। कवयित्री अलका आरिया व सुशीला वर्मा एडवोकेट ने अपने गीत ग़ज़लों से पूरे लोगों को खुश कर दिया और सराही गई। हृदय नारायण हेहर हास्य व्यंग सुनाकर श्रोताओं को खूब पसंद आए उनकी रचना,जहर भइल जिनगी के पौधा पात पात मुरझाइल जाता।जतने होता दुआ दवाई ओतने रोग बढियाइल जाता सुनाकर यथार्थ का चित्रण किया। वाराणसी से पधारे वरिष्ठ कवि सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध ने बेटियों को समर्पित रचना हिंदुस्तान तथा चार दिन की बची जिंदगी रह गई ख्वाहिशों में दबी ही खुशी रह गई तो वहीं सुजीन्द्र साहिल ने संवेदना की पंक्ति जिंदा आदमी अब कहां क्षुधा है धधकी तेरे पिता हैं भूखे लाचार मां है कहती सुनाये। वरिष्ठ साहित्यकार हरिवंश बवाल चंदौली ने मुखर स्वर,,जो कहता है किसी से मेरी दुश्मनी नहीं,मेरा दावा है कि वो किसी से दोस्ती भी कर नहीं सकता सुनाकर गंभीर रचना से माहौल को ऊंचाई दिये। आयोजन के मुख्य अतिथि डा,एस के सिंह विशिष्ट अतिथि राजाराम सिंह रहे। राधेश्याम पाल श्याम व गोपाल कुशवाहा ने अपनी रचना से लोगों के दिल को छू लिया और सराहे गये।इस अवसर पर सत्यप्रकाश कुशवाहा एडवोकेट चंद्रप्रकाश एडवोकेट कमलेश सिंह एडवोकेट पारसनाथ मौर्य बृजेश कुमार मौर्य सिद्धार्थ वर्धन यशवंत सिंह मौर्य कमलेश यादव नंदलाल पटेल जगदीश यादव फारुख अली हाशमी रिषभ त्रिपाठी दिनेश कुमार सहित सैकड़ों लोग देर शाम तक जमे रहे।

सीमा पर घुसपैठ की बडी कोशिश की नाकाम, बीएसएफ ने 24 बांग्लादेशियों को वापस खदेड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उत्तर 24 परगना और नदिया जिले में बीते शनिवार

को भारत-बांग्लादेश सीमा पर अलग-अलग अभियानों में अवैध घुसपैठ की कोशिश कर रहे 24 बांग्लादेशियों और दो रोहिंग्या को वापस खदेड़ दिया। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि ज्यादातर घुसपैठिए मुंबई, बंगलूरू व हैदराबाद में हाउसकीपिंग व लेबर कार्य के लिए जाने वाले थे। अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश की तरफ से लगातार घुसपैठ की कोशिशें हो रही है, हालांकि सतर्क जवान लगातार उनके मंसूबों को लगातार नाकाम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने भारत से बांग्लादेश में आठ मवेशियों के अलावा गांजा, शराब युक्त कफ सिरप फेंसेडिल और अन्य दवाओं की तस्करी के प्रयासों को भी विफल कर दिया। बीएसएफ के अधिकारी ने बताया कि शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले में 20 बांग्लादेशियों और दो रोहिंग्याओं को रोका गया और वापस खदेड़ा गया। इसके अलावा नादिया जिले में भी चार अन्य बांग्लादेशियों को वापस खदेड़ा गया। बीएसएफ अधिकारी ने एक बयान में कहा, पूछताछ के दौरान पता चला कि उनमें से ज्यादातर लोग हाउसकीपिंग और मजदूरी के काम के लिए मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जा रहे थे। उन्होंने बताया कि भारतीय सीमा प्रहरियों ने बांग्लादेश में विभिन्न सामानों की तस्करी के प्रयासों को भी रोका और 565 बोतलें फेंसेडिल, 3 किलोग्राम गांजा और 2,900 कुनैन सल्फेट टैबलेट के पत्ते, कुनैन डाइहाइड्रोक्लोराइड के 700 इंजेक्शन और 1,200 आर्टेमीथर इंजेक्शन जब्त किए हैं। अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश में तस्करी के लिए भेजी जा रही फेंसेडिल की खेप को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि जवानों ने तस्करों के चंगुल से आठ मवेशियों को मुक्त कराया। उन्होंने बताया कि जब्त माल को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है और बचाए गए मवेशियों को ई-टैगिंग के बाद ध्यान फाउंडेशन को सौंप दिया जाएगा।

नेपाल भारत से कुछ डेयरी उत्पादों के आयात के अनुरोध पर विचार करेगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, 'भारतीय पक्ष ने नेपाल को दूध निर्यात में आने वाली समस्याओं को उजागर किया। नेपाली पक्ष ने नेपाल में पर्याप्त रूप से उत्पादित नहीं होने वाले दूध उत्पादों जैसे मट्ठा और पनीर के लिए भारतीय पक्ष के अनुरोध पर सकारात्मक रूप से विचार करने पर सहमति व्यक्त की।भारत ने नेपाल में अपने दूध निर्यातकों के सामने आने वाली समस्याओं पर चिंता जताई है, पड़ोसी देश ने मट्ठा और पनीर जैसे विशिष्ट उत्पादों के आयात को सुविधाजनक बनाने की संभावना तलाशने पर सहमति जताई है। यह मामला 10-11 जनवरी को काठमांडू में आयोजित व्यापार, ट्रांजिट और अनधिकृत व्यापार से निपटने के लिए सहयोग पर भारत-नेपाल अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) की बैठक के दौरान चर्चा के लिए आया था।वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, 'भारतीय पक्ष ने नेपाल को दूध निर्यात में आने वाली समस्याओं को उजागर किया। नेपाली पक्ष ने नेपाल में पर्याप्त रूप से उत्पादित नहीं होने वाले दूध उत्पादों जैसे मट्ठा और पनीर के लिए भारतीय पक्ष के अनुरोध पर सकारात्मक रूप से विचार करने पर सहमति व्यक्त की।' दोनों पक्षों ने ट्रांजिट संधि और व्यापार संधि की समीक्षा पर भी चर्चा की और मौजूदा समझौतों में संशोधन, मानकों के सामंजस्य और रक्सौल-बीरगंज रेल लाइन के विद्युतीकरण समेत व्यापार बुनियादी ढांचे के विकास का प्रस्ताव रखा।इसमें कहा गया कि विचार-विमर्श में आपसी बाजार पहुंच, बौद्धिक संपदा अधिकार और सीमा शुल्क से संबंधित मुद्दे शामिल थे। इसके अलावा, मंत्रालय ने कहा कि नेपाल के अनुरोध पर, भारत ने काकरभिट्टा (नेपाल) बंगलाबंधा (बांग्लादेश) मार्ग से फूलबाड़ी (भारत) के माध्यम से पारगमन में नेपाली मालवाहक वाहनों के लिए अधिकतम धुरा भार सीमा लागू करने पर सहमति व्यक्त की।भारतीय सड़क परिवहन नियमों के अनुसार, दो-धुरा वाहनों के लिए धुरा भार सीमा 18.5 टन और तीन-धुरा वाहनों के लिए 28 टन होगी। भारत ने नेपाल को यह भी सूचित किया कि साल के बीज और चायोटे को उसके प्लांट क्वारंटीन ऑर्डर में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, जटामासी जड़ का अर्क, सुगंधकोकिला बेरी का अर्क, सुगंधवाल प्रकंद का अर्क और तिमुर बेरी के अर्क को भारत की प्रसंस्कृत पादप उत्पादों की सूची में शामिल करने के नेपाल के अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है।

निचले तबके के उत्थान के लिए सहयोग करें', सीएम चंद्रबाबू नायडू ने की संपन्न लोगों से अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के सीएम

एन. चंद्रबाबू नायडू ने संपन्न तबके से सार्वजनिक निजी जन भागीदारी (पी4) मॉडल के तहत निचले तबके के 20 प्रतिशत लोगों के विकास में सहयोग देने का आह्वान किया। सीएम ने मकर संक्रांति के अवसर पर सभी की तरक्की की कामनाओं के साथ यह अपील की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को समाज के शीर्ष 10 प्रतिशत संपन्न तबके से सार्वजनिक निजी जन भागीदारी (पी4) मॉडल के तहत निचले तबके के 20 प्रतिशत लोगों के विकास में सहयोग देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री नायडू ने मकर संक्रांति के अवसर पर सभी की तरक्की की कामनाओं के साथ यह अपील की। उन्होंने कहा कि असली उत्सव तब आता है जब सभी विकास होते हैं। सीएम नायडू ने व्यापक समाज से खुला आग्रह करते हुए कहा, 'मैं पूरे दिल से मानता हूं कि जब वित्तीय असमानताएं कम होंगी और सभी के जीवन स्तर में सुधार होगा, तभी वास्तविक खुशी फैलेगी।'मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि अगले 23 वर्षों में विकसित राज्य के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 10 सिद्धांतों के साथ 'स्वर्णआंध्र 2047' दृष्टिकोण का अनावरण किया गया और एक भी व्यक्ति गरीब न रहे, यह इसका पहला सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि 90 के दशक में कई वर्गों के लोगों ने जीवन में आगे बढ़ने के लिए विकास के सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाया, लेकिन अब भी लाखों परिवार गरीबी में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़े के मुताबिक, इस दक्षिणी राज्य के गांवों एवं शहरों में कई लोग भयंकर गरीबी में जी रहे हैं और वे स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषाहार, पेयजल एवं अन्य मूलभूत जरूरतों से वंचित हैं। सीएम नायडू ने कहा कि इस परिदृश्य को बदलने के लिए वह पी4 मॉडल का प्रस्ताव रख रहे हैं और वह समाज के सबसे संपन्न 10 प्रतिशत लोगों से निचले तबके के 20 प्रतिशत लोगों के उत्थान का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा, 'यदि आप संगठित तरीके से शिक्षा, आजीविका के अवसर और कौशल प्रदान करेंगे तो उनका (नीचे के 20 प्रतिशत) घर-परिवार चलता रहेगा।' तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि समृद्ध तबके लोग जहां भी बसे हैं, वह उनसे किसी व्यक्ति, परिवार, समुदाय, गांव या क्षेत्र के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद करने का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पी4 अवधारणा के लिए एक पोर्टल खोला जाएगा और एक महीने तक सुझाव लिये जायेंगे और अंततः कोई भी व्यक्ति गरीब न रहे, इस लक्ष्य को हासिल किया जाएगा।

बॉलीवुड/टैली मसाला

री-रिलीज की गंगा में एक और फिल्म की डुबकी, फिर सिनेमाघरों में आ रही 'बेरली की बर्फी'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साल 2024 से पुरानी फिल्मों के सिनेमाघरों में फिर से दस्तक देने का जो सिलसिला शुरू हुआ तो वह अब तक जारी है। अब 'बरेली की बर्फी' भी फिर थिएटर्स में आ रही है।राजकुमार राव, आयुष्मान खुराना और कृति सेनन अभिनीत फिल्म 'बरेली की बर्फी' साल 2017 में रिलीज हुई थी। अब करीब आठ साल बाद एक बार फिर यह फिल्म सिनेमाघरों का रुख कर रही है। इसे री-रिलीज किया जा रहा है। इसका एलान मेकर्स ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया है। यह फिल्म कथित प्यार वाले महीने में रिलीज होने जा रही है। आइए तारीख जानते ह आज सोमवार 13 जनवरी को वैलेंटाइन पर प्यार और दोस्ती का जश्न मनाइए। हमारी बर्फियों से अपनी जिंदगी में मिठास लाइए'! बरेली की बर्फी सिनेमाघरों में फिर

निर्देशक अश्विनी तिवारी अय्यर और जंगली पिक्चर्स ने एक साझा सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिल्म की री-रिलीज की सूचना दी है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा किया है, जिस पर आयुष्मान, राजकुमार राव और कृति सेनन नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है। पोस्ट के साथ मेकर्स ने लिखा है, 'इस आ रही है। इस फिल्म के री-रिलीज होने की जानकारी पर यूजर्स के दिलचस्प कमेंट आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कभी भी देखी जा सकने वाली फिल्म है, यानी कंफर्ट फिल्म'। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इस फिल्म को अनगिनत बार देख लिया और थिएटर में भी देखा है। फिर भी थिएटर में इसे एक बार और देखेंगे'।

शाहरुख खान ने फैन को लगाई फटकार, किंग की बिना इजाजत खींच रहा तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड बादशाह शाहरुख खान वैसे तो बड़े रहम दिल हैं, लेकिन जब उनके कोई जबर्दस्ती काम करने की कोशिश भी करता है तो उन्हें गुस्सा आ जाता है। जब शाहरुख खान के एक फैन ने बिना इजाजत के उनकी तस्वीर खिंचनी चाही तो हंगामा हो गया था। बॉलीवुड किंग खान के बहुत सारे प्रशंसक हैं। चाहे वह सेट पर हों या सार्वजनिक स्थान पर, उनकी एक झलक पाने के लिए प्रशंसक हमेशा ही बेकरार रहते हैं, लेकिन कई बार कड़ी सुरक्षा के बीच भी अभिनेता के साथ जबरन फोटो खींचने का मामला सामने आ ही जाता है। यूसुफ इब्राहिम, जो दशकों तक सेलिब्रिटी बॉडीगार्ड रहे हैं और कई मशहूर हस्तियों के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने

बताया कि कैसे शाहरुख खान ने एक बार एक प्रशंसक को बिना अनुमति के सेल्फी लेने पर डांटा था। फिल्म स्टार्स के बॉडीगार्ड के लिए भीड़ को नियंत्रित करना काफी मुश्किल हो जाता है, जब वह प्रशंसकों की भीड़ में शामिल हो जाते हैं। यूसुफ इब्राहिम ने खुलासा किया कि कैसे एक बार शाहरुख खान की बिना इजाजत के उनका एक फैन सेल्फी ले रहा था और किंग ने इस बात पर उसे फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को भी कुछ सीमाएं रखनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहरुख के बॉडीगार्ड यूसुफ इब्राहिम ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, ठप्रशंसकों को सीमाएं बनाए रखने और सम्मान दिखाने की जरूरत है। फोन लेकर भागने के बजाय, उन्हें विनम्रता से पूछना चाहिए कि क्या फोटो खींची जा सकती है। एक स्टार की जिंदगी आसान है, लेकिन घंटों मेकअप में बैठना और लगातार 12 घंटे तेज रोशनी में रहना आसान नहीं है। इंटरव्यू में यूसुफ ने कई साल पहले की एक घटना को याद किया, जिसमें शाहरुख खान ने आईपीएल सीजन के दौरान अजमेर शरीफ दरगाह जाने की इच्छा जताई थी, लेकिन जब उनके आने की खबर फैली तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। उस अफरातफरी का बताते हुए यूसुफ ने कहा, ठजब हम वहां गए तो पूरे अजमेर शहर को पता था कि शाहरुख दरगाह आ रहे हैं। वहां इतनी भीड़ थी कि हम वहीं खड़े रहे, लोगों ने हमको धक्का मारकर दरगाह ले आए और धक्का मारकर अपनी गाड़ी में लाके बैठा दिया।ठ काम की बात करें तो शाहरुख खान अगली बार किंग में सुहाना खान और अभिषेक बच्चन के साथ नजर आएंगे।

मीडिया के सवालों से घिर गए विवियन-अविनाश, ईशा पर लगा एक बड़ा आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रियालिटी शो 'बिग बॉस 18' अपने फिनाले एपिसोड की तरफ बढ़ रहा है। हाल ही में शो में बचे हुए प्रतियोगियों के लिए एक मीडिया सेशन रखा गया। इस मौके पर मीडिया वालों ने प्रतियोगियों पर कई तरह के आरोप लगाए? उन से कई तरह के सवाल किए? क्या रहा इस पर प्रतियोगियों का जवाब, जानिए हाल ही में कलर्सटीवी के इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें प्रतियोगी मीडिया के सवालों से घिरे नजर आ रहे हैं। जल्द ही यह एपिसोड टेलीकास्ट होगा। मीडिया द्वारा बिग बॉस 18 के कई प्रतियोगियों से तरह-तरह के सवाल किए जा रहे हैं। कुछ प्रतियोगियों पर गेम खेलने के दौरान गलत व्यवहार करने की बात पर भी चर्चा हुई। जानिए, किस प्रतियोगी से किस तरह के सवाले पूछे गए मीडिया ने सबसे पहले विवियन डिसेना से सवाल किया कि वह बिग बॉस में लाडले के तौर पर जाने जाते हैं। लेकिन वह एक भाई नहीं बन पा रहे हैं। जब कभी भी उनके करीबी लोगों को शो में उनकी जरूरत होती है तो साथ नहीं देते हैं। इस पर विवियन का कहना है कि यह उनका अपना फैसला है, इस पर वह टिके रहेंगे। अविनाश मिश्रा से भी मीडिया वालों ने सवाल किए वह ईशा के लिए गेम खेल रहे हैं, ना कि अपने लिए। इस पर प्रतियोगी अविनाश का कहना है कि यह तो फिनाले एपिसोड में पता चलेगा कि कौन अपने लिए खेल रहा था। आखिर में शिल्पा शिडोरकर औ ईशा सिंह से सवाल किए गए। शिल्पा से पूछा गया कि वह शो में इतने हफ्ते रहने के बाद क्यों पुरानी गलती के लिए विवियन से माफी मांग रही है। इस पर शिल्पा का जवाब था कि माफी मांगने में क्या हर्ज है? इसके अलावा ईशा के बारे में मीडिया ने कहा कि वह लोगों की बहुत चुगली करती हैं? ऐसे में ईशा ने अपना बचाव किया और कहा कि शो में हर कोई दूसरों की चुगली करता है। बिग बॉस 18 धीरे-धीरे फाइनल एपिसोड की तरफ बढ़ रहा है। जल्द ही इस शो का विनर कौन होगा, यह पता चल जाएगा। इस समय करण वीर मेहरा और विवियन डिसेना, विनर बनने के सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं।

किम कार्दशियन ने फायरफाइटर्स के प्रति जताया आभार, वेतन वृद्धि के लिए भी उठाई आवाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिका के पश्चिमी तटीय लॉस एंजिलिस क्षेत्र में जंगल में लगी आग में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को बचाने वाले अग्निशामकों के प्रति किम कार्दशियन ने आभार जताया है। साथ ही उनके वेतन वृद्धि के लिए भी आवाज उठाई है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में लगी जंगल की आग में अग्निशामकों ने अपनी जान की बाजी लगाकर राहत कार्य किया है और कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय रिएलिटी टेलीविजन स्टार किम कार्दशियन ने उन सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही, उनके वेतन में इजाफे की भी मांग की है। इस घातक आपदा से लोगों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले अग्निवीरों के लिए अदाकार ने वेतन वृद्धि की मांग की। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, रविवार को किम ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट लिखा, जिसमें दावा किया गया कि अग्निशामकों को 1984 से प्रति घंटे का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी राशि हो, जो हमारे जिंदगियों और घरों को बचाने के लिए अपनी जिंदगी को जोखिम में डालने वाले लोगों के लिए सम्मानजनक हो।किम की तरह

1 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने अपने लाखों प्रशंसकों को बताया कि उनके वेतन में कभी भी मुद्रास्फीति के साथ वृद्धि नहीं की गई है। जब आग और भी भयानक हो गई और कई लोगों की जान जा रही है तो भी वेतन में कभी इजाफा नहीं हुआ। इसे बढ़ाकर पांच डॉलर प्रति घंटे करने के लिए हाल ही में किए गए एग्रीमेंट को भी आखिरी वक्त में रद्द कर दिया गया। किम कार्दशियन ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम से अग्निशामकों का वेतन बढ़ाने अन्य सितारों ने भी लॉस एंजिल्स में आग से प्रभावित लोगों के लिए आवाज उठाई है और अग्निशामकों का आभार जताया है। बता दें कि अमेरिका के पश्चिमी तटीय लॉस एंजिलिस क्षेत्र में जंगल में लगी आग में हजारों घर तबाह हो गए हैं और कई लोगों की जान चली गई हैं। मौसम विज्ञानियों ने इस सप्ताह हवाओं के और तेज होने के पूर्वानुमान जताया है जिसके मद्देनजर अग्निशमन दल ने आग बुझाने की कवायद तेज कर दी है।

एलए की आग के बीच मेघन मार्कल ने बदली अपने शो की रिलीज डेट स्कोनबर्ग की स्क्रिप्ट हुई खाक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लॉस एंजिलिस की आग के चलते डचेस ऑफ ससेक्स मेघन मार्कल ने अपनी आगामी सीरीज की रिलीज डेट को टाल दिया है। आग की चपेट में कंपोजर अर्नोल्ड स्कोनबर्ग की ओरिजिनल मनुस्क्रिप्ट भी आ गई। लॉस एंजिलिस की आग धीरे-धीरे सब कुछ तबाह करती जा रही है। आग की जद में मनोरंजन जगत की कई हस्तियां और उनके घर भी आए हैं। कई लोग अपना घर छोड़ने को भी मजबूर हो गए। इस तबाही ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। जंगल की आग ने उद्योग पर काफी गहरा प्रभाव डाला है, जिसके चलते कई पुरस्कारों और समारोहों को टाल दिया गया है। निर्माताओं के साथ गिल्ड ने आग के प्रभावों के कारण रविवार को अपने नामांकन की घोषणा ना करने का फैसला लिया। वहीं, अभिनेत्री मेघन ने अपने लाइफस्टाइल नेटफ्लिक्स शो को मार्च तक के लिए टाल दिया है।डचेस ऑफ ससेक्स मेघन मार्कल ने लॉस एंजिल्स के जंगल में लगी आग के चलते अपनी नई नेटफ्लिक्स सीरीज के रिलीज को टाल दिया है। मेघन की सीरीज 'विद लव मेघन' बुधवार को रिलीज होने वाली थी, लेकिन स्ट्रीमिंग सेवा ने रविवार को कहा कि वह आग से प्रभावित लोगों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रीमियर को आगे बढ़ाने का समर्थन करती है। मेघन लॉस एंजिलिस में पैदा हुईं और पली-बढ़ी और अब हैरी, ड्यूक ऑफ ससेक्स और उनके दो बच्चों के साथ कैलिफोर्निया के मोंटेसिटो में रहती हैं। शनिवार को यह शाही जोड़ा आग पीड़ितों को भोजन और पानी देने और बचाव कर्मियों को धन्यवाद देने के लिए पासाडेना गया।'विद लव मेघन' एक लाइफस्टाइल प्रोग्राम है, जिसमें मेघन सेलिब्रिटी दोस्तों के साथ बातचीत करती हैं और फूलों की सजावट और बेकिंग जैसे कार्यों को दिखाती हैं। मेघन ट्रेलर में कहती हैं, मुझे हमेशा कुछ बहुत ही साधारण चीज लेना और उसे ऊपर उठाना पसंद है।ङ्क यह शो अब 4 मार्च को शुरू होगा। कंपोजर अर्नोल्ड स्कोनबर्ग की रचनाओं के प्रकाशक का कहना है कि उनकी ओरिजिनल स्क्रिप्ट और स्कोर लॉस एंजिलिस की जंगली आग में खाक हो गए। बेलमोंट म्यूजिक पब्लिशर्स ने रविवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा,हमने बिक्री और किराये की सामग्री की अपनी पूरी सूची खो दी है।ङ्क कंपनी ने एक बयान में कहा। हमें उम्मीद है कि भविष्य में हम पूरी तरह से डिजिटल रूप में 'राख से उठ खड़े होंगे'। ष्ठ कुछ स्कोर और प्रदर्शन सामग्री हैं जिनके लिए हमारे पास डिजिटल स्कैन हैं।

डायरेक्टर बोलते रह गए कट कट कट, फिर भी किस करते रहे वरुण धवन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक वायरल वीडियो में वरुण धवन शूटिंग सेट पर एक इंटिमेट सीन शूट करते हुए दिख रहे हैं। इसमें डायरेक्टर बार-बार कट... कट... कट कहते नजर आते हैं, लेकिन वरुण अपने किरदार में पूरी तरह से डूब रहते हैं और सीन को जारी रखते हैं। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और अभिनेत्री नरगिस फाखरी का वीडियो सोशल मीडिया पर इस समय खूब चर्चा में है। शूटिंग सेट का यह वीडियो साल 2014 में आई फिल्म 'मैं तेरा हीरो' से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में थे। वहीं, नरगिस फाखरी और इलियाना डिक्रूज उनकी हीरोइन थीं। वायरल हो रहे इस वीडियो में वरुण एक इंटीमेट सीन शूट करते हुए दिखाई दे रहे हैं,

लेकिन खास बात यह है कि डायरेक्टर बार-बार ठकट... कट... कट बोलने के बाद भी वह सीन में पूरी तरह से डूबे हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो में डायरेक्टर की आवाज सुनी जा सकती है। वहीं, वीडियो में नरगिस हंसती हुई नजर आ रही हैं।यह वीडियो सोशल मीडिया पर अब तक लाखों बार देखा जा चुका है। इसने शूटिंग सेट के माहौल और एक्टर्स के बीच की सीमाओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ लोग वरुण के व्यवहार को लेकर आलोचना कर रहे हैं। वहीं, कुछ ने उनके और नरगिस के बीच के हंसी-मजाक की सराहना की है। कुछ समय पहले नरगिस फाखरी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वरुण धवन उनके फेवरेट सह-कलाकार रहे हैं। उस बातचीत के दौरान उन्होंने साझा किया था कि वरुण के साथ उनके काम करने का अनुभव बहुत ही मजेदार रहा था। वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन हाल ही में फिल्म 'बेबी जॉन' में नजर आए थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी। अब वह जल्द ही आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमार' में दिखाई देंगे। फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर भी हैं।

पंजाब 95' की रिलीज से पहले आया बदलाव, दिलजीत दोसांझ की फिल्म का पूरा मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म पंजाब 95 से अपना पहला लुक शेयर किया था। फिल्म को हनी त्रेहान निर्देशित कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अब फिल्म की रिलीज से पहले इसमें कुछ बदलाव किए जा रहे हैं।दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पंजाब 95 को लेकर लगातार सुर्खियों में लेकर बने हुए हैं। फिल्म को लेकर अब यह जानकारी सामने आई है कि अब फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज से पहले कुछ महत्पूर्ण बदलाव किए जाएंगे। जानिए क्या हैं यह नए बदलाव। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसर, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने दिलजीत दोसांझ की फिल्म पंजाब 95 में 120 कट्स की मांग की है। जब यह खबर सुर्खियों में आई तो जसवंत सिंह खालरा की पत्नी परमजीत कौर ने सीबीएफसी की 120 कट्स की मांग की निंदा की क्योंकि उनके पति के जीवन

पर बनी बायोपिक परिवार की सहमति से बनाई गई थी। वह चाहती थीं कि फिल्म बिना किसी बदलाव के रिलीज हो। ताजा जानकारी के अनुसार, पंजाब 95 अब बिना किसी कट के बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसर, पिछले साल शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने कई इतिहासकारों को साथ मिलकर पंजाबी 95 का अध्ययन किया। फिर एक महीने बाद, कमेटी के महासचिव गुरुचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा, ठमैंने फिल्म देखी है, यह किसी को भी निशाना नहीं बनाती है। यह पंजाब की सच्चाई को बेबाकी से दिखाती है। यह दिल दहला देने वाली फिल्म है। जब मैंने इसे देखा, तो मेरी आंखों में आंसू आ गए।जानकारी के अनुसार, पंजाब 95 जसवंत सिंह खालरा की जीवन गाथा है, जिन्होंने 90 के दशक में बड़े पैमाने पर मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर किया और न्याय के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, खालरा की बेटी नवकिरन ने कहा, ठयह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताया जाना चाहिए और हम इसके लिए आभारी हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार फिल्म रिलीज हो।इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो दिलजीत की आखिरी बार नीरू बाजवा के साथ जट्ट एंड जूलियट 3 में देखा गया था। यह फिल्म 27 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके अलावा दिलजीत, इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में भी नजर आए थे।

मसाबा ने माता रानी के नाम पर किया बेटी का नामकरण, क्या है नीना गुप्ता की नातिन का नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नीना गुप्ता की बेटी मसाबा गुप्ता ने बीते वर्ष अक्तूबर में बेटी को जन्म दिया। अब करीब तीन महीने बाद उन्होंने बताया है कि बिटिया का नाम क्या रखा है?अदाकारा नीना गुप्ता की बेटी और फैशन डिजाइन मसाबा गुप्ता और पति सत्यदीप मिश्रा ने अक्तूबर 2024 में पहली संतान के रूप में बेटी का स्वागत किया। अब करीब तीन महीने बाद आज लोहड़ी के पर्व पर उन्होंने फैंस को बताया है कि लाडली का नाम क्या रखा है? मसाबा ने माता रानी के नाम पर बेटी का नाम रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। मसाबा गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा की है।

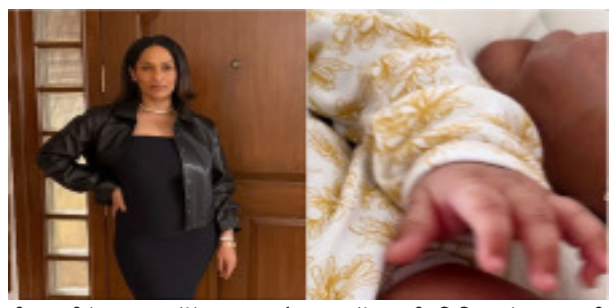

इसमें उनकी बिटिया के हाथ की झलक है। साथ ही खुद मसाबा के हाथ की भी झलक है, जिसमें वे ब्रेसलेट पहने दिख रही हैं। इसी ब्रेसलेट पर उनकी बेटी का नाम लिखा है- ईँऊँ, मसाबा ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मेरी माताराके जन्म को तीन महीने पूरे हो गए हैं। यह नाम 9 हिंदू देवियों की दिव्य स्त्री ऊर्जा का प्रतीक है, जो उनकी शक्ति और ज्ञान पर आधारित है। हमारी आंखों की तारा, हमारी बेटी का यह नाम है'। मसाबा गुप्ता ने 11 अक्तूबर 2024 को बेटी को जन्म दिया। मसाबा के पोस्ट पर फिल्मी सितारों के कमेंट्स भी आ रहे हैं। मौनी रॉय, दीया मिर्जा, अंशुला कपूर, भूमि पेडनेकर और शोभिता धुलिपाला ने कमेंट कर बेबी गर्ल को आशीर्वाद दिया है, वहीं मसाबा को बधाई दी है। अभिनय की दुनिया के बाद अब राजनीति में सक्रिय स्मृति ईरानी ने भी कमेंट कर बेबी माताराको अपना आशीर्वाद दिया है। इसके अलावा मसाबा के फैंस ने भी कमेंट की झड़ी लगा दी है। मसाबा ने साल 2015 में निर्माता मधु मंटेना से शादी की थी, लेकिन दोनों की शादी लंबे समय तक नहीं चल पाई। साल 2018 में मसाबा और मधु मंटेना का तलाक का हो गया। इसके बाद मसाबा ने 27 जनवरी 2023 को सत्यदीप मिश्रा से शादी रचाई। मालूम हो कि मसाबा, नीना गुप्ता और विवियन रिचर्ड्स की बेटी हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।